Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Friday, 05 May 2023 ● Year : 01 ● Issue : 108 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

एक अच्छा व्यक्ति हमेशा अपने शब्दों और कर्मो से ही जाना जाता हैं, अन्यथा अच्छी बातें तो पोस्टरों पर भी लिखी होती हैं।

कियारा ने पूरी की सत्यप्रेम की कथा...

SHARE

सेंसेक्स	:	61,749.25
निफ्टी	:	18,255.80

SARAFA

सोना	:	5,845
चांदी	:	82.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रांची में सड़क दुर्घटना में तीन की मौत, दो गंभीर

RANCHI : जिले के बुढ़मू थाना क्षेत्र में बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गयी। मरने वालों में दंपत्ति और उनका बेटी है, जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि हेंदाग गांव निवासी आशाराम मुंडा अपनी पत्नी संगीता देवी और तीन बच्चों के साथ एक बाइक में सवार होकर एक शादी समारोह में भाग लेने तिलैया गांव जा रहा था। इसी बीच केरेडारी और बुढ़मू थानाक्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्र हेन्दगीर के समीप एक वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में संगीता देवी, आशा राम मुंडा और बच्ची रानी की मौत हो गयी। जबकि अन्य दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

अनिल दुजाना को यूपी एसटीएफ ने मार गिराया

MEERUT : यूपी एसटीएफ ने मेरठ में गुरुवार को गैंगस्टर अनिल दुजाना (36) को एनकाउंटर में मार गिराया। वह नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र के दुजाना गांव का रहने वाला था। 3 साल से अयोध्या जेल में बंद था। कुछ समय पहले ही जमानत पर छूटा था। इसके बाद से फरार चल रहा था। दुजाना के खिलाफ 18 मर्डर समेत 62 से ज्यादा केस दर्ज थे। वह गिरोह बनाकर हत्या और लूट की वारदात करता था। यूपी एसटीएफ पिछले 6 साल में दुजाना समेत 184 एनकाउंटर कर चुकी है।

जम्मू-कश्मीर में 16 स्थानों पर एनआईए की छापेमारी

JAMMU : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को जमात-ए-इस्लामी आतंकी फंडिंग मामले में जम्मू-कश्मीर में 16 स्थानों पर छापेमारी की, जिसकी जांच एजेंसी 2021 से कर रही है। एनआईए की कई टीमों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर बारामूला में 11 और किश्तवाड़ जिले में पांच स्थानों पर तलाशी ली। एनआईए द्वारा जिन स्थानों की तलाशी ली जा रही है, उनमें प्रतिबंधित अलगाववादी समूह जमात-ए-इस्लामी से जुड़े व्यक्तियों और आतंकवाद में शामिल लोगों के आवासीय परिसर शामिल हैं। एनआईए ने 2021 में जमात-ए-इस्लामी और उसके कैडरों के खिलाफ टेरर फंडिंग मामले में नामजद पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की थी। गृह मंत्रालय ने 2019 की शुरूआत में जमात-ए-इस्लामी जम्मू और कश्मीर को उसकी राष्ट्र-विरोधी और विध्वंसक गतिविधियों के लिए गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित कर दिया था।

देश में कोरोना के 3,962 नए मरीज, 15 की मौत

NEW DELHI : देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित 3,962 नए मरीज सामने आए हैं, जबकि इस अवधि में कोरोना वायरस से संक्रमित 15 मरीजों की मौत हो गई। वहीं 7,873 मरीज स्वस्थ हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार अबतक 4,43,92,828 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और रिकवरी दर 98.73 प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 36,244 हो गई है।

LAND SCAM : IAS छवि रंजन गिरफ्तार, 10 घंटे हुई पूछताछ, नहीं दे पा रहे थे ED के सवालों के जवाब

CRIME REPORTER RANCHI : लैंड स्कैम मामले में आइएएस छवि रंजन को आखिरकार गुरुवार को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। पूरे 10 घंटे तक हुई पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है पूछताछ में आए तथ्यों के बाद आईएएस छवि रंजन की गिरफ्तारी की गई।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पूछताछ के दौरान ईडी के द्वारा छवि रंजन से हेहल अंचल के बजरा मौजा के 7.16 एकड़ जमीन की घेराबंदी उसके दस्तावेज रजिस्ट्री कार्यालय से गायब पाये जाने के मामले को लेकर पूछताछ की।

जांच एजेंसी ने इस मामले में बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद और प्रदीप बागची सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेजा दिया था।

कई जमीनों के बारे में हुई पूछताछ

इस मामले में छवि रंजन के जवाब से ईडी अधिकारी संतुष्ट नहीं हुए। इसके अलावा छवि रंजन से सेना के कब्जेवाली जमीन के अलावा चेशायर होम रोड की जमीन की खरीद बिक्री मामले में भी उनकी भूमिका के बारे में पूछताछ की गई। ईडी के द्वारा किए गए अधिकतर सवालों के जवाब छवि रंजन सही से नहीं दे पाए। जिसके बाद ईडी ने छवि रंजन को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले ईडी ने आईएएस छवि रंजन को एक मई को ईडी ऑफिस में उपस्थित होने को कहा था। लेकिन ईडी द्वारा बीते 28 अप्रैल को दोबारा भेजे समन में चार मई को ईडी ऑफिस में उपस्थित होने को कहा था।

फाइल फोटो

सीओ ने कहा था- छवि रंजन के दबाव में की थी रजिस्ट्री

इस मामले में गिरफ्तार हुए सीओ मनोज कुमार ने पूछताछ में ईडी को बताया था कि उसे प्रदीप बागची द्वारा अंचल कार्यालय में जमा किए गए दस्तावेज पर संदेह था। लेकिन छवि रंजन द्वारा भारी दबाव व दंडित करने की धमकी देने के बाद प्रदीप बागची के पक्ष में रिपोर्ट भेजी गई। इसके बाद जमीन की रजिस्ट्री हुई। वहीं छवि रंजन ने इन आरोपों का खंडन किया और सेना की जमीन की खरीद-बिक्री के मामले में सीओ सहित वहां के कर्मचारियों को दोषी बताया। हालांकि वह दस्तावेज में जालसाजी कर सेना के कब्जेवाली जमीन की खरीद बिक्री के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के आमने-सामने पूछताछ के दौरान ईडी के सवालों में उलझ गये। कुछ सवालों के जवाब में टाल मटोल और कुछ में चुप्पी साध कर उन्होंने इस पूरे प्रकरण में अपनी संदेहास्पद भूमिका को यकीन में बदल दिया।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे बड़े पैमाने पर कई जमीन की रजिस्ट्री

छवि रंजन रांची के डीसी थे तब उनके कार्यकाल में बड़े पैमाने पर फर्जी कागजों के आधार पर जमीन की खरीद बिक्री की गई। इनमें सबसे प्रमुख बरियातू स्थित सेना की जमीन थी। बरियातू में सेना की 4.55 एकड़ जमीन को फर्जी कागजात के जरिए कोलकाता के प्रदीप बागची ने जगत बंधु टी एस्टेट को बेच दी थी। इस जमीन की सरकारी दर 20 करोड़ 75 लाख 84200 रुपये थी, लेकिन बिक्री महज सात करोड़ में दिखायी गई। उसमें भी 25 लाख रुपये प्रदीप बागची के खाते में आए थे, बाकी पैसों के चेक के जरिए भुगतान की जानकारी डीड 6888/2021 में दी गई थी। लेकिन ईडी ने जब चेक के जरिए भुगतान की जांच की तो पता चला कि खातों में पैसे गए ही नहीं हैं। चेक के भुगतान की गलत जानकारी डीड में दी गई थी, ताकि खरीद बिक्री सही प्रतीत हो, इस दौरान छवि रंजन के परिजनों के खातों में बड़े ट्रांजेक्शन और लाभान्वित होने के सबूत ईडी को मिले हैं। जमीन की रजिस्ट्री करने वाले सब रजिस्ट्रार घासीराम पिंगुआ ने भी अपने बयान में बताया था कि डीसी के आदेश पर उन्होंने जमीन की रजिस्ट्री की थी। तत्कालीन कमिश्नर नितिन मदन कुलकर्णी ने भी डीसी की गड़बड़ी पकड़ी थी। वहीं रांची के बजरा में भी 7.16 एकड़ जमीन की घेराबंदी से लेकर म्यूटेशन तक में डीसी रहते छवि रंजन की भूमिका काफी संदेहास्पद रही। जमीन के 83 साल का दाखिल-खारिज एक ही दिन में डीसी रहते छवि रंजन ने कराई।

मणिपुर: दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश

आदिवासियों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा, दो की मौत, 11 घायल

- धारा 144 लागू, राज्य में 5 दिनों के लिए इंटरनेट सेवा बंद
- हिंसा प्रभावित इलाके में सेना और अर्द्ध सैनिकबलों ने किया फ्लैग मार्च
- मुख्यमंत्री ने की शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपील

AGENCY IMPHAL : मणिपुर में सरकार ने हिंसा करने वाले दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए हैं। इससे पहले हिंसाग्रस्त इलाकों में धारा 144 लागू कर दी गई थी। राज्य में अगले 5 दिनों के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। दरअसल, बुधवार को आदिवासियों के प्रदर्शन के दौरान कांगपोकपी जिले के सैकुल में हुई हिंसा में 11 लोग घायल हुए थे। आंदोलनकारियों और सुरक्षा बलों के साथ हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गयी थी। इसके बाद 8 जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया। आर्मी और असम राइफल्स की 55 टुकड़ियों को तैनात किया गया है। 9000 लोगों को राहत कैंपों में शिफ्ट किया गया है। गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से फोन पर बात कर हालात की जानकारी ली। बीरेन सिंह ने आज सुबह एक वीडियो मैसेज जारी कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है।

दरअसल, बुधवार को 'ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन, मणिपुर' (एटीएसयूएम) की एकजुटता रैली के बाद पहाड़ी जिलों बिष्णुपुर, फिरजाओल, जिरीबाम, पश्चिमी इंफाल, थौबल, तेंगनोपाल, काकचिंग और कांगपोकपी में व्यापक हिंसा भड़क गई थी। रात में ही मणिपुर के आठ जिलों में धारा 144 लागू कर दी गई। इन सभी जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई है। बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिलों में सेना और केंद्रीय अर्धसैनिक बल को तैनात किया गया है। इस बीच मणिपुर में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य के लोगों से शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंफाल, बिष्णुपुर और मोरेह जिलों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं अनापेक्षित हैं। मुख्यमंत्री सिंह ने संबंधित प्रदर्शनकारियों से ऐसी हिंसक गतिविधियों से दूर रहने की अपील की।

आदिवासियों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में दंगाइयों के द्वारा वाहन में लगाई गई आग ● एजेंसी

मणिपुर हिंसा के लिए कांग्रेस ने बीजेपी को बताया जिम्मेदार

कांग्रेस ने मणिपुर में हिंसा भड़कने के लिए भारतीय जनता पार्टी की सत्ता के लोभ की राजनीति को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्वोत्तर के इस प्रदेश में शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने पर ध्यान देना चाहिए। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर के लोगों से शांति और संयम बरतने की अपील भी की। राहुल गांधी ने एक ट्वीट किया इसमें उन्होंने कहा कि- मणिपुर में तेजी से बिगड़ती कानून की व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंतित हूं। प्रधानमंत्री को वहां शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मैं मणिपुर के लोगों से भी शांति का आग्रह करता हूं। खरगे ने ट्वीट किया- मणिपुर जल रहा है, बीजेपी ने समुदायों के बीच दरार पैदा की और इस खूबसूरत राज्य की शांति को भंग कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में महिला पहलवानों का केस बंद

रेसलर्स बोले- कोर्ट का सम्मान, लेकिन धरना जारी रहेगा

पहलवानों ने गुरुवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बातचीत की।

AGENCY NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण के खिलाफ महिला रेसलर्स की याचिका की सुनवाई गुरुवार को बंद कर दी। अदालत ने कहा कि महिला रेसलर्स को सुरक्षा दी गई है। उनकी मांग बृजभूषण पर एफआईआर दर्ज करने की थी, जो पूरी हो चुकी है। अब कोई और मसला हो तो याचिकाकर्ता हाईकोर्ट या निचली अदालत में जा सकते हैं। इस पर पहलवानों ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारा प्रोटेस्ट जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला तब आया है, जब जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हुई है। जंतर-मंतर पर बुधवार देर रात हुई झड़प में पहलवान राकेश यादव और विनेश फोगाट के भाई दुष्यंत को चोटें आई हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि रेसलर पर बल प्रयोग नहीं किया गया, 5 पुलिसवाले घायल हुए हैं। हमने पुलिसकर्मियों का मेडिकल भी करवाया। कोई भी नशे में नहीं पाया गया।

पहलवान बोले- हम सारे मेडल्स भारत सरकार को लौटा देंगे

लगातार 12 दिन से धरना दे रहे रेसलर्स ने झड़प के बाद गुरुवार को कहा कि हम सभी मेडल्स भारत सरकार को लौटा देंगे। महावीर फोगाट ने भी कहा कि वे अपना द्रोणाचार्य अवॉर्ड लौटा देंगे। रेसलर्स से मिलने गुरुवार को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल, किसान और खाप नेता पहुंचे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, नवजोत सिंह सिद्धू और बॉक्सर विजेंदर सिंह ने रेसलर्स का सपोर्ट किया है।

किश्तवाड़ क्षेत्र में सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

दो पायलट और एक टेक्नीशियन घायल

AGENCY NEW DELHI : जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के पास सेना का एक एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव गुरुवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना के बाद दोनों पायलटों और एक अन्य कर्मी को चोटें आईं, जिन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। उनका इलाज उधमपुर के कमांड अस्पताल में चल रहा है। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ क्षेत्र में अभियान पर था। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं। भारतीय सेना के उत्तरी कमान मुख्यालय ने अपने बयान में कहा कि आज सुबह लगभग 11:15 बजे आर्मी एविएशन के एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ क्षेत्र में मरुआ नदी के तट पर एक ऑपरेशनल मिशन पर एहतियाती लैंडिंग की। इनपुट्स के मुताबिक पायलटों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को तकनीकी खराबी की सूचना दी थी और एहतियाती लैंडिंग के लिए आगे बढ़े। उबड़-खाबड़ जमीन, अंडर ग्रोथ और लैंडिंग क्षेत्र की तैयारी न होने के कारण हेलीकॉप्टर ने स्पष्ट रूप से एक कठिन लैंडिंग की। भारतीय सेना ने बयान में बताया कि तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया और सेना की बचाव टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। विमान में दो पायलट और एक टेक्नीशियन सवार थे। तीनों घायल कर्मियों को उधमपुर के कमांड अस्पताल ले जाया गया।

धर्मांतरण में 1 साल की बच्ची भी शामिल, 4 महीने सेंटर में ट्रेनिंग दी गई, सांसद भी मौजूद रहे

पाकिस्तान में 50 हिंदुओं का हुआ धर्मांतरण

AGENCY ISLAMABAD : पाकिस्तान के मीरपुरखास में 10 परिवारों के 50 हिंदुओं का धर्मांतरण किया गया। इनमें 1 साल की बच्ची भी शामिल है। इस मौके पर मजहबी मामलों के मंत्री मोहम्मद ताल्हा महमूद के बेटे मोहम्मद शमरोज खान भी मौजूद रहे। वो खुद भी सांसद हैं। हिंदुओं का सामूहिक धर्मांतरण कराने के लिए एक स्पेशल सेरेमनी ऑर्गेनाइज की गई। हिंदुओं का धर्मांतरण करने की घटना का खुलासा पाकिस्तान के ही अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने एक स्पेशल रिपोर्ट में किया है। कारी ने कहा- 10 परिवारों के कुल 50 लोगों ने इस्लाम कबूल किया है। इनमें 23 महिलाओं के अलावा एक साल की बच्ची भी शामिल है। इन सभी लोगों को एक खास सेंटर में रखा गया था। ये सेंटर 2018 में उन लोगों के लिए बनाया गया था, जो दूसरे मजहबों को छोड़कर इस्लाम अपनाते हैं। कारी ने बताया कि सभी लोगों को इस सेंटर में चार महीने रखा गया। इस दौरान उन्हें मजहबी ट्रेनिंग दी गई और उनकी हर जरूरत पूरी की गई। सेंटर में उन्हें भोजन, कपड़े और दवाइयां भी मुहैया कराई गईं। पिछले 5 साल में अनगिनत लोगों ने दूसरे धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाया है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर हम पूरे परिवार को इस्लाम में कन्वर्ट कराते हैं। अगर किसी एक शख्स का धर्मांतरण कराया जाए तो विवाद हो जाता है। चार महीने सेंटर में रहने के दौरान उन्हें कहीं भी आने-जाने की इजाजत होती है। वो चाहें तो ये जगह भी छोड़कर जा सकते हैं।

धर्मांतरण कार्यक्रम का यह फोटो पाकिस्तान के अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने जारी किया है।

हिंदू एक्टिविस्ट फाकिर शिवा बोले- हम मजबूर हैं

पाकिस्तान के हिंदू एक्टिविस्ट फाकिर शिवा ने इस सामूहिक धर्मांतरण का विरोध किया है। शिवा ने कहा- बिल्कुल साफ नजर आ रहा है कि अब सरकार ही दूसरे मजहब के लोगों का इस्लाम में धर्मांतरण करा रही है। माइनॉरिटीज के लोग कई साल से मांग कर रहे हैं कि इस तरह के कन्वर्जन के खिलाफ सख्त कानून बनाया जाए, लेकिन हमारी बात सुनेगा कौन? सिंध में तो यह बहुत बड़ा मसला बन चुका है। अब तो कैबिनेट मिनिस्टर का सांसद बेटा भी इस तरह के प्रोग्राम में शामिल हो रहा है। शिवा ने आगे कहा- हमारे लिए ये बहुत फिक्र की बात है कि धर्मांतरण किस पैमाने पर हो रहा है, लेकिन क्या करें? हम मजबूर हैं। हमारी कम्युनिटी में पहले ही बहुत गरीबी है। इसका फायदा मजहबी नेता उठा रहे हैं। लोगों को लालच दिया जाता है, फिर उन्हें कन्वर्ट कराया जाता है।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बादल की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए दिग्गज राजनीतिज्ञ

हिंदू-सिख एकता की मिसाल थे बादल : शाह

AGENCY PUNJAB

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल की मौत के बाद गुरुवार को उनके पैतृक गांव में श्रद्धांजलि समागम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित देशभर कई दिग्गज राजनीतिज्ञों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पंजाब के दिग्गज नेता प्रकाश सिंह बादल का 25 अप्रैल को मोहाली के फोर्टिस हार्ट अस्पताल में निधन हो गया था। गुरुवार को बादल के पैतृक गांव बादल में अंतिम अरदास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बादल को याद करते हुए कहा कि बादल साहब के जाने से जो क्षति हुई है,

प्रकाश सिंह बादल को श्रद्धांजलि देते केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह। ● एजेंसी

उसे भर पाना मुश्किल है। सिखों ने अपना सिपाही खो दिया है। गृहमंत्री ने कहा कि 70 साल के सार्वजनिक जीवन के बाद कोई चला जाए और कोई दुश्मन ना हो, यह संभव नहीं। प्रकाश सिंह बादल उसकी सबसे बड़ी मिसाल हैं। शाह ने कहा कि प्रकाश सिंह बादल ने नए पंजाब की नींव रखी। हिंदू सिख एकता के लिए प्रकाश सिंह बादल ने बहुत काम किया। अमित शाह ने कहा कि 1970 से आज तक जब भी देश लिए खड़ा होने का मौका आया वो खड़े हुए। सब से लंबा समय जेल में रहकर उन्होंने मिसाल कायम की। इमरजेंसी में वो पहाड़ की तरह खड़े रहे। उनका जाना देश के लिए यह क्षति है।

अंतिम अरदास कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राधा स्वामी डेरा ब्यास के मुखी गुरिंदर ढिल्लों व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला भी शामिल हुए।प्रकाश सिंह बादल को एसजीपीसी प्रधान एचएस धामी, अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह, दरबार साहिब के हैडग्रंथी ज्ञानी जगतार सिंह, माकर्सवादी नेता कामरेड हरदेव सिंह अरशी, प्रेम सिंह चंदूमाजरा, किसान नेता राकेश टिकैत सहित कई गणमान्यों ने श्रद्धांजलि दी।

उल्लेखनीय है कि बादल की मौत की खबर मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी।

बादल का राजनीतिक सफरनामा

प्रकाश सिंह बादल ने वर्ष 1947 से राजनीति शुरू की थी। उन्होंने सरपंच का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। तब वे सबसे कम उम्र के सरपंच बने थे। वर्ष 1957 में उन्होंने पहला विधानसभा चुनाव लड़ा। वर्ष1969 में उन्होंने दोबारा जीत हासिल की। वर्ष 1969-70 तक वे पंचायत राज, पशु पालन, डेयरी आदि मंत्रालयों के मंत्री रहे। इसके अलावा वे वर्ष 1970-71 में सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने। इसके बाद वर्ष 1977-80, 1997-2002 में पंजाब के मुख्यमंत्री बने। वे वर्ष 1972, 1980 और 2002 में विरोधी दल के नेता भी बने। मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री रहते वे सांसद भी चुने गए। वर्ष 2022 का पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ने के बाद वे सबसे अधिक उम्र के उम्मीदवार भी बने थे।

हेमंत राज में बहन-बेटियों की इज्जत और जान दोनों असुरक्षित : दीपक प्रकाश

PHOTON NEWS RANCHI

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने गुरुवार को राज्य सरकार की विधि व्यवस्था को ध्वस्त बताते हुए कहा कि अपराधियों में पुलिस प्रशासन का भय पूरी तरह समाप्त हो चुका है। राज्य में जंगलराज की स्थिति है।

प्रकाश ने साहेबगंज के बोरियो संथाली गांव की रहने वाली आंगनबाड़ी सेविका मालोती सोरेन की टुकड़ों में काटकर हुई हत्या पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हेमंत राज में बहन-बेटियों की इज्जत और जान दोनों सुरक्षित नहीं है। बेटियों के माता पिता और परिजन दहशत में जी

दीपक प्रकाश का फाईल फोटो।

रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिस साहेबगंज के बोरियो में विगत 16 दिसंबर को 50 टुकड़ों में काटकर रुबिका पहाड़िन की दर्दनाक हत्या की गई थी। इसी क्षेत्र में छह माह के अंदर उसी प्रकार की घटना की पुनरावृति होना यह बताता है कि राज्य में विधि व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री का ढोल पीटने वाले हेमंत सोरेन के राज में सर्वाधिक प्रताड़ित आदिवासी और दलित बहन बेटियां ही हो रही हैं। फिर भी मुख्यमंत्री जी को अपराधियों पर गुस्सा नहीं आता है। आखिर राज्य की कितनी बहन बेटियों की इज्जत और जान जाते देखना चाहती है राज्य सरकार। साथ ही कहा कि ऐसे अपराधियों के साथ राज्य सरकार कड़ाई से पेश आए तथा अपराधियों को पकड़कर कठोर सजा सुनिश्चित कराए।

CM के इशारे पर स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष का मामला लटकाया : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI

भाजपा नेता विधायक दल एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष मामले में विधानसभा स्पीकर को कटघरे में खड़ा किया। मरांडी ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष मुख्यमंत्री के इशारे पर मामले को लटकाए बैठे हैं। प्रदेश भाजपा ने विधायक दल का नेता चयन कर विधानसभा सचिवालय को विधिसम्मत सूचना दी है।

मरांडी ने कहा कि जहां तक जेवीएम का भाजपा में विलय का सवाल है चुनाव आयोग ने अपने निर्णय में सारी स्थित स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसने विलय को मान्यता देते हुए दो बार

बाबूलाल मरांडी का फाईल फोटो।

उन्हें राज्यसभा चुनाव में भाजपा विधायक के रूप में मत देने का अधिकार दिया। फिर भी स्पीकर की ओर से भाजपा नेता विधायक दल को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं देना राज्य सरकार के इशारे पर एक राजनीतिक साजिश है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नहीं चाहती कि नेता प्रतिपक्ष की अनुशंसा से लोकायुक्त का चयन हो, सूचना आयुक्त का चयन हो। क्योंकि, फिर राज्य सरकार की नाकामियां उजागर होंगी। लोकायुक्त के माध्यम से भ्रष्टाचार की जांच हो सकेगी। भले ही राज्य सरकार तिकड़म से महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों को भरने से रोक दे लेकिन देश में कार्य कर रही अन्य संवैधानिक एजेंसियों की जांच से नहीं बच सकती। साथ ही कहा कि आज राज्य सरकार पर जांच एजेंसियों का शिकंजा लगातार कसता ही जा रहा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से बचाव के लिए राज्य सरकार कागजात तक गायब करवाने से बाज नहीं आ रही।

एससीओ से जुड़ी बैठक में शामिल होने गोवा पहुंचे पाकिस्तान और चीन के विदेश मंत्री

AGENCY NEW DELHI

चीन और पाकिस्तान के विदेश मंत्री शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने गुरुवार को गोवा पहुंचे। यहां विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव पहले ही गोवा पहुंच चुके हैं।

चीनी विदेश मंत्री किन गांग का विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) शिल्पक अंबुले ने स्वागत किया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भूट्टो का स्वागत मंत्रालय में संयुक्त सचिव जेपी सिंह ने किया।

अपने आगमन पर मीडिया से बात करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्री भुट्टो ने कहा कि वह एससीओ की बैठक में शामिल

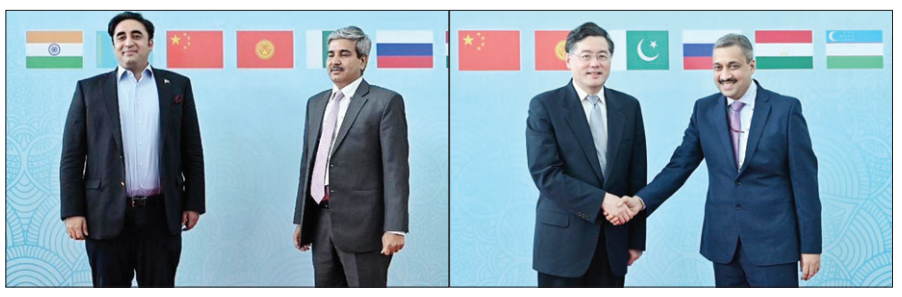

पाकिस्तान के विदेश मंत्री भुट्टो का स्वागत करते जेपी सिंह। चीनी विदेश मंत्री किन गांग का स्वागत करते शिल्पक अंबुले।

होने के लिए गोवा पहुंचने पर काफी खुश हैं। उन्हें उम्मीद है कि विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक सफल होगी। उल्लेखनीय है कि बिलावल भुट्टो 12 वर्षों में भारत का दौरा करने वाले पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री हैं।

जानकारी के अनुसार एसीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में जुलाई में होने वाले शिखर सम्मेलन के लिए एजेंडा तैयार किया जाएगा। इसमें सुरक्षा, व्यापार और वाणिज्य में सहयोग को बढ़ावा देने के उपाय शामिल हैं।

इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का एक बयान आया है । उन्होंने कहा है कि भारत में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने का पाकिस्तान का निर्णय एससीओ चार्टर और बहुपक्षवाद के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता के अपने साझा मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सभी संपर्क, व्यापार और पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग पर आधारित समझ-बूझ के पक्ष में हैं।

वंदे भारत का रांची-हटिया के बीच परिचालन एक महीने के अंदर : सांसद

PHOTON NEWS RANCHI

एक महीने के अंदर रांची-हटिया से वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू हो जाएगा। यहां के यात्री वंदे भारत एक्सप्रेस का आनंद ले सकेंगे। साथ ही चार महीने के अंदर दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन रांची से ही आरंभ होगा। इस बाबत आज नई दिल्ली में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सांसद संजय सेठ की मुलाकात हुई।

सांसद ने अधिकारियों को यह प्रस्ताव दिया कि हटिया से पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन अविलंब शुरू किया जाए। सांसद ने प्रस्ताव दिया कि उक्त ट्रेन का परिचालन पटना से हटिया के लिए सुबह में और हटिया से पटना के लिए शाम में तय किया जाए। पटना से हटिया प्रस्थान का समय सुबह के 6:55 बजे और हटिया से पटना के प्रस्थान (वाया बरकाकाना, हजारीबाग, कोडरमा) का समय शाम के 5:00 बजे निर्धारित करने का सुझाव दिया है।

इस मुलाकात के बाद सांसद ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन रांची से हो, इस दिशा में उनका प्रयास हमेशा से जारी था। 2021 में रेल मंत्री को पत्र लिखकर उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन हटिया से पटना और रांची से कोलकाता करने का आग्रह किया था। इसका सुखद परिणाम सामने आया है।

सांसद ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों से होगा। इससे संबंधित प्रस्ताव भी प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजा गया है। प्रधानमंत्री का झारखंड आगमन हम सब के लिए गौरव की बात होगी। इसके लिए सांसद ने प्रधानमंत्री और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया।

एम्स, ऋषिकेश में 'यूथ -20 कन्सल्टेशन इवेन्ट' का दो दिवसीय सम्मेलन शुरू

Y-20 सम्मेलन : भारत युवाओं का देश है, जिनमें नेतृत्व की क्षमता है : रेखा आर्या

AGENCY RISHIKESH

उत्तराखंड की खेल और महिला सशक्तिकरण मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि भारत युवाओं का देश है, जिनमें नेतृत्व किए जाने की क्षमता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं के दम पर भारत को विकासशील देशों की श्रृंखला में खड़े किए जाने का संकल्प लिया है।

यह बात कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने गुरुवार को भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में एम्स, ऋषिकेश में आयोजित दो दिवसीय 'यूथ -20 कंसल्टेशन इवेन्ट' सम्मेलन में कहीं। इसमें देश-विदेश के लगभग ढाई सौ प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

मंत्री आर्या ने कहा कि भारत आज विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहा है, लेकिन इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को जी-20, वाई-20 जैसे सम्मेलनों की अध्यक्षता किए जाने का मौका मिला है। यह भारत के लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वैश्विक चुनौतियों से जूझते भारत को इस प्रकार के सम्मेलनों से उनका समाधान किए जाने का रास्ता निकलेगा। उन्होंने कहा कि वाई-20 युवाओं से जुड़े मामलों का समूह है, जिसमें दुनिया की 20

सम्मेलन में उपस्थित अतिथिगण। ● द फोटोन न्यूज

बड़ी और उन्नत अर्थव्यवस्थाएं अर्थात जी-20 का का प्रतिनिधित्व करती है ।

मंत्री आर्या ने कहा कि वाई-20 निश्चित रूप से हमें ऐसा मंच उपलब्ध कराता है, जहां वैश्विक स्तर के युवा नेताओं का वैश्विक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ ही वैश्विक चुनौतियों और महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श कर स्वस्थ परिचर्चा के माध्यम से आम सहमति से अनुकूलतम निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा। भारत के लिए प्रथम बार जी-20 की अध्यक्षता करना गौरव का विषय है। भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ से प्रारम्भ हुए आजादी के अमृतकाल में इस अवसर से निश्चित रूप से भारतीय लोकतंत्र को मजबूती प्राप्त हुई है। भारत सदैव से ही 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धान्त पर आगे बढ़ता रहा है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की इसी परम्परा ने भारत को विभिन्न चुनौतियों का व्यवहारिक समाधान खोजने और वैश्विक समग्र कल्याण को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है।

उन्होंने कहा कि इसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए हम आज यहां वाई-20 संवाद सम्मेलन के लिए एकत्रित हुए हैं, यह संवाद निश्चित रूप से वैश्विक युवा नेतृत्व को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करेगा। भारत का यह प्रयास है कि वैश्विक युवा नेतृत्व, साझेदारी को और अधिक प्रगाढ़ किया जाए, जिससे युवा साथ आकर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से आ रही चुनौतियों का समग्र प्रयासों से सामना कर स्वस्थ और शान्त वैश्विक पटल भावी पीढ़ियों के लिए रख सकें।

उन्होंने कहा कि वाई-20 इण्डिया के साझेदार के रूप में एम्स ऋषिकेश में सम्मेलन की 'थीम हेल्थ वेलनेस एंड स्पोर्ट्स' है, जिसमें निश्चित रूप से ही इन क्षेत्रों में विशेषज्ञ पैनलिस्टों ने विगत 08 सप्ताह से राज्य में विभिन्न रन अप इवेन्ट के माध्यम से स्थानीय संस्थाओं में की जा रही परिचचाओं के परिणामों पर मंथन किया जायेगा और एक सार्वभौमिक, सार्वगर्भित हल प्राप्त करने में सफलता प्राप्त होगी। उत्तराखंड सरकार इसके लिए विशेष प्रयास कर रही है।

मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि विगत 01 वर्ष में राज्य सरकार ने युवाओं के स्वास्थ्य संवर्द्धन के लिए खेलों को विशेष आयाम देने के प्रयास किये हैं, जिसके अन्तर्गत खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय खेल अवस्थापना सुविधाएं प्रदान किये जाने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जनपदीय स्टेडियमों में 37 खेल अवस्थापना सुविधाएं सृजित की जा रही है, जिसके लिए रुपये 209.91 करोड़ की धनराशि व्यय की गयी।

खिलाड़ियों ने अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेलों में पदक अर्जित करने के फलस्वरूप 13 अन्तरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, 183 राष्ट्रीय खिलाड़ियों और उनके 51 प्रशिक्षकों को नकद पुरस्कार के रूप में रुपये 5.50 करोड़ धनराशि प्रदान कर सम्मानित किया। राज्य के सभी जनपदों में लोकप्रिय और प्रचलित खेलों के प्रशिक्षण शिविर संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को विभाग निःशुल्क खेल प्रशिक्षण और खेल सामग्री प्रदान करता है। विगत वर्ष में खेल विभाग ने 260 प्रशिक्षण शिविर संचालित किये, जिससे 8163 खिलाड़ियों को प्रशिक्षण का लाभ प्रदान मिला।

08-14 वर्ष के प्रति जनपद 150 बालक और 150 बालिकाओं को मुख्यमंत्री उदीयमान छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित किया गया। वर्तमान में खेल विभाग के अन्तर्गत विभिन्न खेलों के 13 आवासीय क्रीड़ा छात्रावास संचालित किये जा रहे हैं, जिसके अन्तर्गत विभिन्न खेल विधाओं अन्तर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। वर्तमान में खेलों को आगे बढ़ाये जाने को राज्य में हाई एल्टीट्यूड सेंटर और खेल विश्वविद्यालय बनाए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

BRIEF NEWS

झारखण्ड के प्रथम राज्यपाल प्रभात कुमार का विकास भारती में हुआ आगमन

RANCHI : 1963 बैच के आईएएस अधिकारी, भारत सरकार के पूर्व कैबिनेट सचिव, झारखण्ड राज्य के प्रथम राज्यपाल, वर्तमान में आईसी सेंटर फॉर गवर्नेंश के अध्यक्ष प्रभात कुमार का आगमन आज विकास भारती के बारियातु रांची परिसर में हुआ। विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत जी नें उन्हें अंगवस्त्र देकर उनका अभिवादन किया साथ ही विकास भारती द्वारा स्वउत्पादित उत्पादन भी उन्हें भेंट किये। आपसी बातचीत के दौरान प्रभात कुमार नें कहा कि विकास भारती पिछले 40 वर्षों से यहां के परिस्थितियों के अनुकुल कार्य कर रही है और उसे धरातल पर उतारने के लिए सर्वाधिक प्रयासरत है। इस कार्यक्रम में कई स्थानीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्राध्यापक, अनेक सामाजिक संगठन के लोग उपस्थित हुए।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश चेयरमैन से मिले प्रवक्ता

RANCHI : कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश चेयरमैन मंजूर अंसारी से गुरुवार को प्रदेश प्रवक्ता डॉ एम तौसीफ ने मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता ने राज्य के सभी वर्ग के अल्पसंख्यकों के समस्याओं और उनका समाधान कैसे हो उसपर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मंजूर अंसारी के प्रदेश चेयरमैन बनने से राज्य के सभी वर्ग के कांग्रेस कार्यकर्ता में खुशी का माहौल है। मंजूर अंसारी अनुभवी और मंजे हुये राजनेता हैं। निश्चित तौर पर उनके राजनीति अनुभव से संगठन मजबूत होगा।

पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे सहित दस के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

PALAMU : राज्य के पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे सहित दस के खिलाफ गुरुवार को नावाबाजार थाना में नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने गाली-गलौच एवं मारपीट करने का मामला दर्ज कराया। प्राथमिकी बुधवार की शाम दर्ज की गई। विश्रामपुर के एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने बताया कि उक्त एजेंसी के प्रोजेक्ट प्रभारी एवं अभियंता पार्थ घोष के दिए आवेदन के बाद हुई प्रारंभिक जांच के पश्चात प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उन्होंने बताया कि उक्त एजेंसी राष्ट्रीय राजमार्ग-75 के तहत भोगु से शंखा तक फोरलेन निर्माण में लगी है। इस मामले में चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे पर आईपीसी की धारा 147, 149, 341, 342, 353, 323, 447, 504, 506 लगाई गई है। आरोप है कि ददई दुबे अपने निजी सहायक और 8-10 अज्ञात लोगों के साथ कार्यालय में घुस गए थे और उन्होंने कंपनी के इंजीनियर दीपांजन दत्ता और अन्य कर्मियों के साथ गाली-गलौच और मारपीट की है।

खूंटी में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा का आवास आवंटन कार्यक्रम रद्द

KHUNTI : जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री और खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा का लाभुकों के बीच आवास आवंटन कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। हालांकि, इस कार्यक्रम की नगर पंचायत ने पूरी तैयारी कर ली थी। अर्जुन मुंडा गुरुवार को 44 लाभुकों को आवास आवंटित करने वाले थे लेकिन आवास बनकर तैयार ही नहीं हुए हैं। इस संबंध में अर्जुन मुंडा के प्रतिनिधि ने कहा कि आवास बना ही नहीं है और आवंटन की तैयारी कर दी गई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों से बातचीत करने के कुछ ही देर बाद केंद्रीय मंत्री का कार्यक्रम रद्द कर दी गई। उल्लेखनीय है कि जिले के नगर पंचायत क्षेत्र के जमुआदाग में 210 भूमिहीन परिवारों को आवास का सपना दिखाया गया था। सितंबर तक उन्हें आवास देने के वादा किया गया था। जमुआदाग में बन रहे प्रधानमंत्री आवास (शहरी) किफायती आवास परियोजना का शिलान्यास केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री सह स्थानीय विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने 23 फरवरी, 2022 को किया था लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी आवास का कार्य पूरा नहीं हो सका है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और दीपक प्रकाश ने मेगा ट्रेड फेयर का किया भ्रमण

RANCHI : मोरहाबादी मैदान में चल रहे इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर रांचीवासियों के लिए मनोरंजन का केंद्र बन गया है। शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश भी मेगा ट्रेड फेयर के स्टॉल का भ्रमण किया। ट्रेड फेयर में खरीदारी करने के लिए रांची सहित अन्य जिलों के लोग भी पहुंच रहे हैं। गुरूवार को भी फेयर में लोगों का आना लगा रहा। प्रत्येक स्टाल में लोगों की भीड़ दिखी, जो अपनी जरूरत की चीजें खरीदारी करते नजर आये। घरेलू सामान, बच्चों के खिलौने, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, कालीन, सजावटी सामान की भी जमकर खरीदारी की जा रही हैं। गर्मी के कपड़ों सहित डिजायनर कपड़े महिलाओं को काफी पसंद आ रहे हैं। फूड जोन में अनेक तरह के व्यंजनों का लुत्फ भी लोग उठा रहे हैं। मेले में प्रवेश शुल्क 20 रुपए है। ऑटो जोन में विभिन्न कंपनियों के कार को प्रदर्शित किया गया है। लोग इन कारों की जानकारी ले रहे हैं। जबकि कई स्टालधारक की ओर से बेहतरीन ऑफर भी दिये जा रहे हैं। फर्नीचर इंटीरियर हॉल में नाइटवेयर पर 15 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इसके अलावा कॉटन क्राफ्ट में कई उत्पादों पर 20 प्रतिशत, बबलू फाउंटेन व सिकरी हैंडक्राफ्ट में 20 प्रतिशत, नदीम मार्बल के स्टॉल पर 20 प्रतिशत तक का लाभ उठाया जा सकता है।

राहुल गांधी ने की मणिपुर के लोगों से शांति की अपील

NEW DELHI : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर में हुई हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य के लोगों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को सामान्य स्थिति बहाल करने पर ध्यान देना चाहिए। राहुल गांधी ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि वे मणिपुर की तेजी से बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। प्रधानमंत्री मोदी को शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने पर ध्यान देना चाहिए। हम मणिपुर के लोगों से शांत रहने का आग्रह करते हैं। उल्लेखनीय है कि कि मणिपुर में आदिवासी आंदोलन के दौरान बुधवार को राज्य के कई जिलों में हिंसा भड़क गई, जिसके बाद राज्य सरकार ने अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं।

मणिपुर में हिंसा रोकने के लिए बॉक्सर मैरी कॉम ने मांगी केन्द्र सरकार से मदद

NEW DELHI : मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन में भड़की हिंसा को लेकर बॉक्सर और पूर्व राज्यसभा सांसद मैरी कॉम काफी चिंतित हैं। मणिपुर राज्य में ये सब होते देख भारतीय महिला मुक्केबाज मैरी कॉम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मदद मांगी है। मैरी कॉम ने ट्वीट करके कहा कि अभी हालात बहुत खराब हैं। इसलिए वह अच्छा महसूस नहीं कर रही हैं। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार से इसके लिए कदम उठाने और राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस हिंसा में कुछ लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया। मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। इस दौरान हिंसा भड़क गई। प्रदर्शनकारियों ने कई घरों में तोड़फोड़ की है। रैली में हजारों आंदोलनकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान तोरबंग इलाके में आदिवासियों और गैर-आदिवासियों के बीच हिंसा भड़क गई।

जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरने का हो रहा है राजनीतिकरण : मीनाक्षी लेखी

NEW DELHI : भाजपा ने कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर पहलवानों के प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित बताया है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि केन्द्र सरकार महिलाओं के बारे में संवेदनाएं रखती है। महिला पहलवानों की शिकायत पर दो जांच कमेटियों का गठन हुआ है। आरोपी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जब इस धरने में एक्साइज घोटाले में फंसे लोग पहुंचते हैं तो धरने की विश्वसनीयता पर आंच आती है। धरने के लिए चीजों का इंतजाम करने के लिए आप नेता सौरभ, दुर्गेश पाठक सहित कई नेताओं के बीच बैठकें होती हैं।

BRIEF NEWS

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिले झारखंड के पहले राज्यपाल

रांची : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से गुरुवार को झारखंड के प्रथम राज्यपाल प्रभात कुमार ने राज भवन में मुलाकात की। राजभवन की ओर से बताया गया कि यह दोनों की शिष्टाचार मुलाकात थी।

अनाथाश्रम में मनाया जन्मदिन

रांची : विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के संरक्षक रक्तवीर पप्पू कुमार शर्मा ने लेक रोड स्थित आंचल शिशु आश्रम (अनाथ आश्रम)के बच्चों के संग केक काटकर एवं मिठाई खिलाकर अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, मुख्य संयोजक संतोष कुमार विशेष रूप से मौजूद थे। श्री शर्मा ने बताया रक्तवीर पप्पू कुमार शर्मा ने अभी तक रिम्स, सदर हॉस्पिटल, सेवा सदन एवं रक्तदान शिविर में 39 यूनिट ब्लड देकर मंच का नाम रौशन किया है। कार्यक्रम में मुख्यरूप से परमेश्वर शर्मा, गुड्डू शर्मा, छोटे लाल शर्मा, राज शर्मा, सुबोध कुमार शर्मा, धर्मेंद्र कुमार विश्वकर्मा अरूण शर्मा, सुदीप मुखर्जी, सुदीप राय, पंकज तिवारी, चंदन झा आदि आदि मौजूद थे।

खूंटी में मिला कोरोना का एक मरीज

रांची/ खूंटी : खूंटी जिले में गुरुवार को कोरोना का एक पॉजिटिव मरीज मिला। कोरोना मरीज खूंटी प्रखंड का एक पुरुष है। जारी रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को दो सैंपल का ट्रूनेट और 29 का रैपिड एंटीजन किट से कोरोना की जांच की गई। इनमें से रैपिड एंटीजन किट की जांच में एक कोरोना पॉजिटिव मिला। जांच रिपोर्ट के बाद कोरोना पॉजिटिव मरीज को समुचित दवा व आवश्यक दिशा निर्देश देकर घर में ही आइसोलेट कर दिया गया है।

80 उत्कृष्ट विद्यालयों के संचालन के लिए अधिकारियों को मिला प्रभार

रांची : राज्य सरकार ने राज्य के 80 उत्कृष्ट विद्यालयों के बेहतर संचालन के लिए शिक्षा अफसरों को स्कूलों का प्रभार दे दिया है। इसका आदेश शिक्षा सचिव को रवि कुमार ने जारी किया कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि यह राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके नियमित अनुश्रवण एवं सफल संचालन की नितांत आवश्यकता है। इसे दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक विद्यालय के लिए राज्य सरकार द्वारा एक-एक राज्य शिक्षा सेवा के पदाधिकारियों को नामित किया जाता है, जो विद्यालय के वरीय प्रभार में रहते हुए विद्यालय के नियमित सफल संचालन एवं राज्य सरकार के गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्तरदायित्वों का निर्वहण करेंगे। उन्होंने कहा कि संबंधित सभी पदाधिकारी संबद्ध विद्यालयों का नियमित निरीक्षण एवं समीक्षा करेंगे। सामने आये गतिरोधों का अपने एवं जिला स्तर से यथासंभव

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

15 लाख के इनामी नक्सली इंदल गंझू ने किया SURRENDER

झारखंड के तीन व बिहार के दो जिलों में 100 से अधिक मामले हैं दर्ज

CRIME REPORTER RANCHI : भाकपा माओवादी कमांडर और 15 लाख के ईनामी इंदल गंझू उर्फ ललन गंझू ने गुरुवार को रांची जोनल आईजी कार्यालय में सरेंडर किया। इसके खिलाफ बिहार-झारखंड में करीब 100 से अधिक केस दर्ज हैं। यह भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के झारखंड में रीजनल कमेटी का मेंबर है। इंदल गंझू ने आईजी अभियान एवी होमकर, रांची जोनल आईजी पंकज कंबोज, सीआरपीएफ के आईजी विधि कुमार विधि, हजारीबाग डीआईजी नरेंद्र सिंह और चतरा एसपी राकेश रंजन के समक्ष सरेंडर किया।

इतने मामले हैं दर्ज

- चतरा जिले में 48
- पलामू जिले में 01
- हजारीबाग जिले में 05
- गया जिले में 77
- औरंगाबाद जिले में 13

चतरा मुठभेड़ में था शामिल

चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र में तीन अप्रैल को माओवादियों और सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ हुई थी। जिसमें माओवादियों के टॉप पांच कमांडर मारे गए थे। बताया जा रहा है कि इंदल गंझू भी इसी टीम का हिस्सा था।

रांची जोनल आईजी कार्यालय में भाकपा माओवादी कमांडर इंदल गंझू को सम्मानित करते पुलिस अधिकारी

बिहार का रहने वाला है नक्सली इंदल गंझू

इंदल मूल रूप से बिहार के गया जिले के इमामगंज थाना क्षेत्र के असरैन गांव का रहने वाला है। वर्तमान में वह भाकपा माओवादी संगठन में रिजनल कमांडर था और सरकार ने उसपर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस की लगातार नक्सल विरोधी अभियान से परेशान होकर इंदल ने सरेंडर किया है। इंदल गंझू के खिलाफ 145 मामले दर्ज हैं। इनमें चतरा जिला में 48, पलामू जिले में एक, हजारीबाग जिले में पांच और बिहार के गया 78 एवं औरंगाबाद में 13 मामले दर्ज हैं।

राज्य को नक्सल मुक्त राज्य बनाने का संकल्प : मौके पर आईजी अभियान एवी होमकर ने कहा कि झारखंड सरकार ने राज्य को नक्सल मुक्त राज्य बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और इस दिशा में पुलिस को नक्सली संगठनों के खिलाफ सफलतायें भी मिल रही है। वहीं दूसरी ओर भटके नक्सलियों को मुख्य धारा में लौटने के लिए राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुर्नवास नीति नई दिशा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नक्सलियों को समाज की मुख्य धारा में जोड़ना है, जो किसी कारणवश नक्सलवाद के रास्ते में भटक गये हैं। इसी क्रम में इंदल गंझु उर्फ ललन गंझू उर्फ उमा उर्फ बढ़न ने सरेंडर किया है। इसके सरेंडर करने से भाकपा माओवादियों को बहुत बड़ा झटका लगा है।

जमीन विवाद को लेकर नक्सली संगठन में हुआ था शामिल

इंदल गंझू का पूरा नाम इंदल उर्फ उमा उर्फ इंदल जी उर्फ ललन गंझू है। उसके पिता का नाम हरिहर भोक्ता है। वह गया के इमामगंज थाना क्षेत्र के असरैना गांव का रहनेवाला है। इंदल गंझु ने कहा कि जमीन विवाद को लेकर वह नक्सली संगठन भाकपा माओवादी में शामिल हुआ था। इंदल ने बताया कि वह 2003 से भाकपा माओवादी संगठन में शामिल था। उसके गांव के गोतिया (रिश्तेदार ने उसकी जमीन हड़प ली थी। इस वजह से वह संगठन में शामिल हुआ। इसके बाद डर से उसके जमीन को रिश्तेदारों ने छोड़ दिया। भाकपा माओवादी के बिहार रिजनल कमेटी के तहत मध्य जोन के शीर्ष नेता संदीप यादव की मौत के बाद संगठन का विस्तार करने, नीति निर्धारण करने में इंदल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वहीं, आत्मसमर्पण करने के बाद इंदल बताता है कि संगठन के और लोगों को डर लगता है कि पुलिस परेशान करेगी, लेकिन ऐसी कोई बात नहीं है। इसके साथ ही इंदल ने सभी साथियों को भी आत्मसमर्पण करने की अपील की है।

निकाय चुनाव जल्द कराने की याचिका पर आठ मई को हाई कोर्ट में होगी सुनवाई

PHOTON REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश शंकर की कोर्ट में गुरुवार को नगर निकायों का चुनाव जल्द कराने को लेकर दायर रिट याचिका पर सुनवाई आठ मई को होगी। मामले की जल्द सुनवाई का आग्रह करते हुए अधिवक्ता विनोद सिंह ने इस मामले को कोर्ट में गुरुवार को मेंशन किया, जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई सोमवार को निर्धारित की। पार्षद रोशनी खलखो सहित अन्य पार्षदों की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा गया है कि राज्य में जल्द निकायों का चुनाव

कराया जाए। जब तक चुनाव नहीं होता है तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में वर्तमान पार्षद को तदर्थ रूप में दायित्व का निर्वहन करने का आदेश देने का आग्रह कोर्ट से किया गया है।याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह पैरवीकार हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की ओर से राज्य के 34 निकाय परिषद के निर्वाचित प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त कर सभी शक्तियां और कार्य प्रशासन को सौंपने का निर्णय लिया गया है। अब निकायों में पदस्थापित नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त या कार्यालय पदाधिकारी अगले आदेश तक प्रशासक के रूप में कार्य करेंगे। अगर उन्हें आवश्यकता होगी तो वह नगर विकास एवं आवास विभाग से परामर्श लेंगे। निकायों का चुनाव नहीं होने पर यह व्यवस्था शुक्रवार से लागू की गई है। 27 अप्रैल तक राज्य में निकाय चुनाव पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन कई कारणों से चुनाव संपन्न नहीं हो सका है।

रिम्स में 28 मरीजों की मौत के मामले में जांच कमेटी का प्रपोजल नहीं मिलने से कोर्ट नाराज

PHOTON REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने गुरुवार को रिम्स में हड़ताल के दौरान 28 मरीजों की हुई मौत मामले में जांच कमेटी को लेकर अबतक प्रपोजल नहीं भेजने पर राज्य सरकार से नाराजगी जताई। कोर्ट ने मौखिक कहा कि अगर प्रपोजल नहीं भेजा गया तो राज्य सरकार के विरुद्ध अगली सुनवाई में कड़ा आदेश पारित किया जाएगा। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कमेटी के गठन के लिए प्रपोजल चीफ जस्टिस के पास भेजने के लिए एक सप्ताह के समय की मांग की गई थी, जिससे जिला जज का नाम प्रस्तावित किया जा सके। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 18 मई निर्धारित की है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने रिटायर्ड प्रधान जिला जज अध्यक्षता में कमेटी गठित कर मामले की जांच कराने का निर्देश राज्य सरकार को दिया था। याचिकाकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता मुख्तार खान ने 28 मरीजों की हुई मौत मामले को लेकर कमेटी बनाकर जांच करने एवं इस घटना के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एक्शन लेने आग्रह कोर्ट से किया था। झारखंड छात्र संघ की ओर से यह जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि 01 जून, 2018 को एक पेशेंट का डेथ गलत ट्रीटमेंट की वजह से रिम्स में हो गया था। इसके बाद मृतक के परिजनों ने प्रोटेस्ट किया था, जिसके बाद जूनियर डॉक्टर और मृतक के परिजनों के बीच झड़प हुई थी, जिसे लेकर रिम्स में 02 जून, 2018 से जूनियर डॉक्टरों एवं नर्सों ने स्ट्राइक कर दिया था।स्ट्राइक के दौरान रिम्स में संपूर्ण चिकित्सा व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी। इस दौरान करीब 35 मरीजों का ऑपरेशन टल गया था। 600 से ज्यादा मरीज रिम्स से बगैर इलाज के वापस लौट गए थे।

हाई कोर्ट से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अरविंद व्यास को मिली राहत

झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित अरविंद व्यास की ओर से निचली अदालत में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट का आग्रह करने वाली क्रिमिनल रिवीजन का फैसला सुनाया है।

याचिकाकर्ता को निचली अदालत की निर्धारित हर तिथि में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दी है। उस दौरान अरविंद व्यास की जगह उनके अधिवक्ता कोर्ट में उनकी जगह उपस्थिति दर्ज कराएंगे। हाई कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा उनकी उपस्थिति से संबंधित उनकी याचिका को खारिज करने के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने उपस्थिति से छूट देते हुए यह शर्त दी है कि आरोपित अरविंद व्यास सीआरपीसी की धारा 313 के बयान दर्ज कराने के दौरान एवं इस केस के जजमेंट के दौरान कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहेंगे।

निचली अदालत द्वारा व्यक्तिगत उपस्थिति के छूट संबंधी याचिका को खारिज किए जाने को अरविंद व्यास ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। अरविंद व्यास की ओर से कोर्ट से आग्रह किया गया था कि वे राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में रहते हैं। ईडी कोर्ट में उन्हें हर पेशी को उपस्थित होना होता है। चित्तौड़गढ़ की रांची से करीब 16 सौ किलोमीटर दूर है, जिससे उन्हें आने जाने में करीब 3200 किलोमीटर पड़ता है। आने-जाने में एक बड़ी राशि भी खर्च होती है। ऐसे में जब कोर्ट उन्हें बुलाएगा तो वे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए तैयार हैं लेकिन मामले की हर डेट में उनकी व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देते हुए उन्हें अपने अधिवक्ता की उपस्थिति के लिए आदेश दिया जाए।

हाई कोर्ट ने भुरकुंडा में प्रदूषण की रोकथाम के लिए राज्य सरकार को दिया आदेश

झारखंड हाई कोर्ट में गुरुवार को रामगढ़ के भुरकुंडा में कोयला एवं लौह अयस्क ट्रांसपोर्टेशन एवं अवैध माइनिंग से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए संतोष पाठक की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार को दिया निर्देश कि भुरकुंडा में प्रदूषण की रोकथाम को लेकर कोर्ट के आदेश का अनुपालन एक सप्ताह में सुनिश्चित करें। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 10 मई निर्धारित की। इससे पहले सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राम शुभग सिंह की ओर से कोर्ट को बताया गया कि अभी तक भुरकुंडा में प्रदूषण की रोकथाम को लेकर राज्य सरकार की ओर से कोई कार्रवाई शुरू नहीं हुई है। भुरकुंडा में कोल ट्रांसपोर्टिंग, लौह अयस्क के ट्रांसपोर्टिंग से प्रदूषण जारी है। अभी भी अवैध माइनिंग हो रही है एवं 50 साल से ज्यादा पुराने उद्योगों के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है। इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

नामकुम में नहाने के दौरान तालाब में डूबने से 2 बच्चियों की मौत

रांची : नामकुम के खरसीदाग ओपी क्षेत्र अंतर्गत गडखटंगा गांव के तालाब में नहाने के क्रम में गहरे पानी में चले जाने से प्रिंसी बड़ाइक (13 वर्ष) एवं साक्षी कुमारी (10 वर्ष) की मौत हो गई। प्रिंसी गडखटंगा निवासी राजकुमार बड़ाइक एवं साक्षी जगरनाथपुर निवासी महेश्वर बड़ाइक की बेटी थीं। दोनों बच्चियां रिश्तेदार हैं। जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले गडखटंगा में शादी समारोह में शामिल होने साक्षी पहुंची थी। गुरुवार की शाम दोनों बच्चियां अन्य लोगों के साथ तालाब गई थी, जहां नहाने के क्रम में दोनों डूब गई। आनन-फानन में परिजनों ने दोनों को बाहर निकाला, तब तक दोनों की मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

देवघर डीसी को सर्वेयर नियुक्ति के लिए करें अनुरोध : हाईकोर्ट

PHOTON REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में गुरुवार को देवघर एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग शुरू नहीं होने तथा एयरपोर्ट के आसपास की ऊंची बिल्डिंग को तोड़ने से संबंधित सांसद निशिकांत दुबे की अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने देवघर एयरपोर्ट लिमिटेड को निर्देश दिया कि वह डीसी देवघर को पत्र लिखकर जिनके मकान टूटेंगे उनके लॉस का एसेसमेंट करने के लिए एक सर्वेयर की नियुक्ति के लिए अनुरोध करें। सर्वेयर अपना रिपोर्ट मध्यस्थ को सौंपेगा। खंडपीठ ने दोनों पक्षों के लिए मध्यस्थता के लिए अवधि को विस्तार दिया है। मामले की अगली सुनवाई 28 जून को होगी। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने मामले में एक मध्यस्थ नियुक्त करने को कहा था। यह मध्यस्थ प्राइवेट पार्टी जिनका मकान टूटना है और देवघर एयरपोर्ट लिमिटेड के बीच वार्ता करेगा। मकान मालिकों को कितना मुआवजा मिलेगा और कब तक उनका मकानों को तोड़ा जाना है आदि विषयों पर दोनों पक्षों से बातचीत कर मध्यस्थ अपनी रिपोर्ट कोर्ट को रिपोर्ट देगा। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय ने पैरवी की। केंद्र सरकार के अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने पैरवी की। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने मामले में एक मध्यस्थ नियुक्त करने को कहा था। यह मध्यस्थ प्राइवेट पार्टी जिनका मकान टूटना है और देवघर एयरपोर्ट लिमिटेड के बीच वार्ता करेगा।

उषा मार्टिन विश्वविद्यालय, अनगड़ा का प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित

शिक्षा मानव जाति के लिए सबसे बड़ा उपहार : गवर्नर

PHOTON REPORTER RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि शिक्षा मानव जाति के लिए सबसे बड़ा उपहार है। शिक्षा के माध्यम से हम अपनी नैसर्गिक प्रतिभा को निखार सकते हैं और जीवन पथ में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। यह हमारी प्रगति और विकास की आधारशिला है। यह गर्व की बात है कि उषा मार्टिन विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता का केंद्र बनने के लिए तैयार है, जो हमारे छात्रों को दुनिया में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम और कार्यक्रम पेश करता है।

राज्यपाल गुरुवार को अनगड़ा में उषा मार्टिन विवि के पहले

दीक्षांत समारोह में एक छात्र को डिग्री प्रदान करते हुए राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन।

दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख पहलों में से एक है। उन्होंने शिक्षा के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया है जो रचनात्मकता, आत्मीय सोच और समस्या को सुलझाने के कौशल को बढ़ावा देता है। सभी विश्वविद्यालयों को इसे अक्षरशः लागू करने का प्रयास करना चाहिए। राज्यपाल ने आग्रह किया कि आप अपनी शिक्षा का उपयोग न केवल अपने करियर को आकार देने के लिए करें, बल्कि समाज की बेहतरी में योगदान देने के लिए भी करें। आप भाग्यशाली हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम हैं। इस अवसर पर वीसी मधुलिका कौशिक ने बताया कि स्नातकोत्तर और स्नातक पाठ्यक्रम के 18 को गोल्ड मेडल सहित 577 विद्यार्थी को डिग्री दी गयी।

केंद्र सरकार से धर्मांतरण नियंत्रण बिल लाने की मांग

PHOTON REPORTER RANCHI : इन दिनों द केरल स्टोरी काफी चर्चा में है, यह कथित तौर पर कहानी बताती है कि कैसे हजारों हिंदू युवतियों को इस्लामिक स्टेट (आईएस) में शामिल होने और सीरिया, ईराक और अफगानिस्तान जैसे देशों में जाने के लिए ब्रेनवॉश किया गया था। इस फिल्म में केरल से कथित रूप से गायब हुई और इस्लाम धर्म अपनाने वाली लड़कियों की कहानी है।इस मामले में राष्ट्र बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में किए गए दावे हैरान और परेशान करनेवाले हैं।

उन्होंने कहा कि केरल में भोले-भाले हिन्दू लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन का खेल जोरों पर है। जहां महिलाओं को कट्टरपंथी बना कर आतंकी संगठन आईएस में शामिल कराया जा रहा है। श्री सिंह ने फिल्म में किए गए दावों को सही बताते हुए कहा कि केरल में हजारों लड़कियों को 'लव जिहाद' के जरिए इस्लाम में परिवर्तित किया गया और सीरिया ले जाया गया। जो बहुत ही निंदनीय विषय है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि मुस्लिम देशों से केरल का इतना गहरा रिश्ता क्यों है? श्री सिंह ने राष्ट्र बचाओ आंदोलन संगठन की ओर से केंद्र सरकार से मांग की है कि देश में जल्द से जल्द धर्मांतरण की रोकथाम के लिए बिल लाया जाए जिससे धर्म परिवर्तन पर रोक लगाया जा सके। साथ ही उन्होंने हिंदू सनातनी भाइयों, छात्राओं व महिलाओं से अपील की है।

BRIEF NEWS

अधिक से अधिक संख्या में NSS से जुड़ें विद्यार्थी : समन्वयक

KHUNTI : बिरसा कालेज खूंटी के मल्टीपरपज हाल में गुरुवार को एनएसएस के तत्वावधान में आरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर एनएसएस के समन्वयक (रांची) डॉ ब्रजेश कुमार उपस्थित थे। प्रोग्राम आफिसर डॉ पुष्पा सुरीन ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। राज कुमार गुप्ता ने सेवा संबंधी जानकारी दी और उन्हें मिलकर काम करने को कहा। डॉ ब्रजेश कुमार ने स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के योगदान का उल्लेख किया और उनसे सीख लेने की बात कही। उन्होंने सिमोन उरांव के जल संरक्षण संबंधी जानकारी दी। वृक्ष रक्षक चाकुलिया की यमुना टुडू ने कहा कि उन्हें लेडी टार्जन की उपाधि दी गई है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अधिक संख्या में एनएसएस से जुड़ने को कहा। इस मौके पर बिरसा कॉलेज में छात्र- छात्राओं के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। एनएसएस वालेंटियर नवीन कुमार ने छात्र-छात्राओं को एनएसएस क्लैप सिखाया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य जी किड़ो, कार्यक्रम पदाधिकारी ड पुष्पा सुरीन, कार्यक्रम पदाधिकारी तारीफ लुगून, डॉ संगीता सुरीन, राज कुमार गुप्ता सहित काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

नीति आयोग की डेल्टा रैंकिंग में रामगढ़ जिले को देश में दूसरा स्थान

RAMGARH : आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत नीति आयोग से जारी मार्च की डेल्टा रैंकिंग में रामगढ़ जिले को देश में दूसरा स्थान दिया है। साथ ही हेल्थ एंड न्यूट्रिशन क्षेत्र में जिले को देश में पहला स्थान मिला है। इस उपलब्धि पर उपायुक्त माधवी मिश्रा ने जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह कार्य करने के लिए प्रेरित किया। गौरतलब है कि नीति आयोग ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत प्रतिमाह जारी किए जाने वाले डेल्टा रैंकिंग में सुधार के लिए उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश पर नियमित रूप से सभी विभागों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया जा रहा है। सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को इस पर विशेष ध्यान देते हुए नियमित रूप से कार्यों की समीक्षा कर ससमय डाटा पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया है।

सरना पूजा स्थल पर विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना

RAMGARH : चितरपुर प्रखंड के बड़कीपोना पंचायत स्थित सरना पूजा स्थल पर बुधवार को राजेंद्र पहान ने सरना स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। साथ ही मुर्गे की बलि दी। इसके बाद सरैय फूल चढ़ाया। साथ ही श्रद्धालुओं के बीच फूल खोसी भी की गई। वही प्रकृति से गांव में खुशहाली का वरदान मांगा गया। साथ ही प्रकृति की रक्षा का संकल्प लिया। तत्पश्चात लोगों के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया। सरहुल पूजा के मौके पर मुखिया अरविंद कुमार सिंह शामिल हुए। मौके पर उन्होंने कहा कि सरहुल प्रकृति उपासना का पर्व है। यह पर्व जल, जंगल एवं जमीन से जुड़ी हैं। क्योंकि हमलोग पेड़ पौधा की पूजा करते है। जिससे उनसे हमें जीवन की प्राप्ति होती है।

प्रमुख-उप प्रमुख ने तोरपा के निर्माणाधीन अस्पताल का किया निरीक्षण

KHUNTI : तोरपा प्रखंड के प्रमुख रोहित सुरीन और उप प्रमुख संतोष कर ने गुरुवार को तोरपा रेफरल अस्पताल में बन रहे 50 बेड वाले आधुनिक अस्पताल और प्रखंड परिसर में बन रहे स्टाफ क्वार्टर का निरीक्षण किया। निमार्णाधीन अस्पताल भवन का निरीक्षण करते हुए प्रमुख और उप प्रमुख ने कहा कि संवेदक बाल श्रमिकों से काम करा रहा है। दोनों जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि अस्पताल भवन के निर्माण कार्य में काफी अनियमितता बरती जा रही है और प्राक्कलन के अनुसार ठेकेदार द्वारा काम नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंश्चिम बंगाल और अन्य जगहों से ठेकेदार नाबालिग लड़कों को लाकर कम मजदूरी में काम कराता है।

GANGSTER फहीम खान के बेटे व उसके सहयोगी पर फायरिंग

PHOTON NEWS DHANBAD

चर्चित गैंग्स ऑफ वासेपुर के गैंगस्टर फहीम खान के पुत्र इकबाल खान एवं उसके सहयोगी ढोलू खान पर बुधवार देर शाम को अज्ञात अपराधियों ने गोलीबारी की है। इस गोलीबारी में दोनों गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल रेफर कर किया गया है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बुधवार की देर शाम वासेपुर स्थित आरा मोड़ से मटकुरिया जाने वाले रास्ते पर गैंगस्टर फहीम खान के पुत्र इकबाल खान और उसके सहयोगी ढोलू को बाइकसवार दो अज्ञात अपराधियों ने फायरिंग कर दी और फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को धनबाद के असर्फी अस्पताल में भर्ती किया गया। बताया जा रहा है कि इलाज के दौरान ढोलू की मौत की बात सामने आई है लेकिन इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि अभी नही की गई है। घायल इकबाल खान की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे दुगार्पुर स्थित मिशन अस्पताल

घटना स्थल पर जांच करती पुलिस। ● द फोटोन न्यूज

रेफर कर दिया गया है।

घटना के बाद असर्फी अस्पताल में इकबाल के समर्थकों की भारी भीड़ को देखते हुए भारी पुलिस बल की तैनाती कर दिया गया। वहीं घटना की सूचना पर डीएसपी अरविंद बिना, बैंक मोड़ थाना और भूली थाना पुलिस के साथ घटना स्थल पर पहुंच गई और जांच पड़ताल की। पुलिस ने मौके से दो बाइक और एक खोखा बरामद किया है।

दो वाहनों की टक्कर में एक की मौत, एक घायल

निजी क्लीनिक में उपचार कराती महिला। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KODARMA

जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत उरवां मोड़ के समीप गुरुवार सुबह एक टेंपो और डीजे लोड पिकअप वाहन के बीच हुई टक्कर में टेंपो पर सवार एक युवती की मौत हो गई। घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल है।

जानकारी के अनुसार टेंपू संख्या जेएच12 के 4782 कोडरमा से बरही की तरफ जा रही थी। इसी दौरान सामने से आ रहे एक डीजे लोड पिकअप वाहन से टक्कर हो गई। हादसे में टेंपो सवार लक्ष्मी कुमारी (16) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ममता देवी (32) घायल हो गई, जिसका एक निजी क्लीनिक में उपचार चल रहा है। चंदवारा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

उपायुक्त माधवी मिश्रा ने किया पतरातू प्रखंड का दौरा

निर्माणाधीन अस्पताल, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

PHOTON NEWS RAMGARH

गुरुवार को उपायुक्त रामगढ़ सुश्री माधवी मिश्रा ने पतरातू प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उपायुक्त ने पतरातू प्रखंड में निमार्णाधीन 100 बेड के प्रीफैबरीकेटेड अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू एवं कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पतरातु का निरीक्षण किया।

मौके पर उपायुक्त ने पतरातू प्रखंड में 100 बेड के निमार्णाधीन प्रीफैबरीकेटेड अस्पताल के तहत चल रहे कार्यों का जायजा लेते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी पतरातू एवं अंचल अधिकारी पतरातु सहित अन्य अधिकारियों को नियमित रूप से कार्यों का

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण करती डीसी। ● द फोटोन न्यूज

निरीक्षण करने एवं जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया वहीं उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेने के क्रम में चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दौरे के क्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पतरातु का निरीक्षण कर उपायुक्त ने विद्यालय में बच्चियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया वहीं उपायुक्त ने बच्चियों के साथ सीधा संवाद कर विद्यालय के माध्यम से उन्हें मिल रही सुविधाओं एवं शिक्षण कार्यों की जानकारी ली. इस दौरान उपायुक्त ने बच्चियों के साथ लंबा समय व्यतीत किया एवं सभी को मन लगाकर पढ़ने एवं जीवन में सफल होने के लिए शुभकामनाएं दी।

मुखिया ने चलाया स्वच्छता अभियान, विभिन्न क्षेत्रों में कराई साफ सफाई

बीमारी से दूर रहने के लिए साफ-सफाई आवश्यक

PHOTON NEWS RAMGARH

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती राज विभाग के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन के तहत प्रखंड के बड़कीपोना पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम चलाया गया। इसका नेतृत्व मुखिया अरविंद सिंह ने किया।

इस दौरान उन्होंने स्वच्छता पखवाड़ा के तहत ग्राम पंचायत एवं ग्राम स्तर पर स्थित सभी सरकारी कार्यालयों, ग्राम पंचायत भवन, सार्वजनिक स्थलों एवं चिन्हित अपशिष्ट, संवेदनशील स्थानों पर स्वच्छता हेतु श्रमदान करते हुए खुद झाड़ू लगाकर सफाई अभियान का संदेश दिया। साथ ही सरकारी भवन में भी साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान पूरे परिसर क्षेत्र की साफ-सफाई की गई।

बड़कीपोना में स्वच्छता अभियान चलाते मुखिया व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

मौके पर मुखिया अरविंद सिंह ने कहा कि हम सभी अपने घर के आस-पास साफ-सफाई रखेंगे तथा सभी लोगों को अपने अगल बगल साफ रखने के लिए प्रेरित करेंगे तभी महात्मा गांधी का स्वच्छ भारत का सपना साकार हो पाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे घरों के आसपास सफाई नहीं होता तो इससे विभिन्न प्रकार की बीमारी होगी। बीमारी से दूर रहने के लिए साफ-सफाई अत्यंत आवश्यक है।

मौके पर वार्ड सदस्य मंटू कुमार, अनिता कुमारी, सेविका राजमन्ति देवी, निशा देवी, संगीता, सहिया दीदी काजल देवी, महेश्वरी देवी, देवन्ति, किरण, सुनीता, जल सहिया वीणा देवी, जेएसएलपीएस संजना कुमारी, खुशी दांगी, प्यासो देवी, ऋषि कुमारी, रीना कुमारी, गुणमती देवी, मनोज पासवान, शिक्षिका रशमी बाला, पुनम राम, निर्मला कुमारी, अफरीदा फातमा, प्रीति कुमारी, सुरेन्द्र मुंडा, रामध्यानी राम दांगी सहित कई लोग मौजूद थे।

DC ने टीबी के पांच मरीजों को लिया गोद

PHOTON NEWS RAMGARH

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत गुरुवार को डीसी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में सदर अस्पताल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर पांच टीबी मरीजों को गोद लिया था। इलाज के दौरान उन्हें फूड बास्केट उपलब्ध कराने की घोषणा की गई थी। इसके उपरांत गुरुवार को मरीजों को उपायुक्त ने फूड बास्केट उपलब्ध कराया ।

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि 2025 तक पूरे देश को टीबी मुक्त करने के लिए बहुत जरूरी है कि इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए। सभी लोग इस में अपना योगदान दें। इस दौरान उपायुक्त टीबी रोग को पहचानने एवं इससे जुड़ी विभिन्न भ्रांतियों के संबंध में सभी को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने रोग के उपचार का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, रोग के लक्षण को पहचाने

मरीजों को फूड बास्केट देती उपायुक्त माधवी मिश्रा। ● द फोटोन न्यूज

एवं इसमें सभी कार्यालयों, निजी संस्थानों, अस्पतालों, एजेंसियों आदी के महत्व की सभी को जानकारी दी। साथ ही उपायुक्त ने देश से टीबी रोग को खत्म करने के उद्देश्य से सभी सक्षम लोगों से अपने सामर्थ्य के अनुसार मरीजों को गोद लेने एवं जो भी मदद वे मरीजों को पहुंचा सकते हैं उस दिशा में कार्य करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने पांच मरीजों, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ स्वराज, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ उदय श्रीवास्तव, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अभिषेक अग्रवाल की ओर से दो-दो मरीजों एवं कंसल्टेंट डॉ पल्लवी कौशल, जिला लेखा प्रबंधक हिना वर्णवाल, अस्पताल प्रबंधक अतिंद्र उपाध्याय, जिला यक्ष्मा कार्यालय के रविंद्र कुमार के द्वारा एक- एक टीबी मरीज को गोद लेते हुए फूड बास्केट उपलब्ध कराया गया।

जिला परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की हुई बैठक

जिले के विकास में सभी बैंक दें अपना योगदान : डीडीसी

PHOTON NEWS RAMGARH

जिला समाहरणालय सभाकक्ष में डीडीसी नागेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में जिला परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक हुई।

बैठक के दौरान सबसे पूर्व अग्रणी जिला प्रबन्धक संजीव कुमार के द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में विभिन्न बैंकों द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों की जानमारी दी गई। इसके उपरांत उप विकास आयुक्त ने सभी बैंकों की जमा साख अनुपात की समीक्षा की। इस दौरान वार्षिक साख योजना के तहत प्राप्त उपलब्धि, सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, केसीसी आदि के अंतर्गत प्राप्त प्रगति की बैंकवार समीक्षा की गई। बैठक में शिक्षा ऋण, हाउसिंग लोन, डेयरी लोन, पोल्ट्री फार्मिंग, मछली पालन आदि के लिए दिए गए ऋण,

बैठक में उपस्थित डीडीसी नागेंद्र कुमार सिन्हा व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

वित्तीय समावेशन के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा योजना जैसे अटल पेंशन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति योजना आदि की समीक्षा की गई।

जेएसएलपीएस के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उपलब्ध कराए जाने वाले बैंक लिंकेज के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने सभी बैंक प्रतिनिधियों को संबंधित मामलों पर विशेष ध्यान देते हुए सभी मामलों को समय से निष्पादित करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत बैंक वार दिए गए लक्ष्य के तहत लाभुकों को उपलब्ध कराए गए ऋण की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने बैंक प्रतिनिधियों को प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत कार्य संपन्न करने का निर्देश दिया।

किसानों को उपलब्ध कराए जाने वाले केसीसी के तहत जिला स्तर पर प्राप्त हुए आवेदनों के तहत बैंकों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने जिन आवेदनों को अब तक निष्पादित नहीं किया गया है उन पर कार्य करते हुए सभी योग्य किसानों को ऋण उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश।

अग्रणी जिला प्रबंधक संजीव कुमार के द्वारा उपस्थित सभी बैंक प्रबंधकों प्रतिनिधियों को सरकार द्वारा लोगों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। वहीं सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में सप्ताह में एक दिन पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर लोगों को योजनाओं की जानकारी देने की बात कही। इस संबंध में उप विकास आयुक्त ने सभी बैंक प्रबंधकों, प्रतिनिधियों को योजनाबद्ध तरीके से शिविर आयोजित कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभान्वित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

आम, तरबूज, गेंदा फूल, लेमनग्रास, ड्रैगन फ्रूट सहित कई अन्य कृषि उत्पादों का हब बनता जा रहा खूंटी

गन्ने की खेती कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं खूंटी के किसान

PHOTON NEWS KHUNTI

जनजातीय बहुल खूंटी जिले की लगभग 80 फीसदी आबादी पूर्ण रूप से कृषि पर आधारित है। इसे विडंबना ही कहेंगे कि जिला गठन के 23 वर्षों के बाद भी अब तक इस जिले में कोई उद्योग-धंधा नहीं खुला लेकिन खूंटी जिला आम, तरबूज, गेंदा फूल, लेमनग्रास, ड्रैगन फ्रूट सहित कई अन्य कृषि उत्पादों का हब बनता जा रहा है। इसके साथ जिले में गन्ने की खेती भी प्रचुर मात्रा में की जाती है।

ईख की सबसे अधिक खेती मुरहू प्रखंड में की जाती है। इस प्रखंड के बीरमकेल, दरला, सुंदारी, सारिदकेल सहित कई अन्य गांवों के लगभग डेढ़ सौ एकड़ खेत में गन्ने की खेती की जाती है। इसके अलावा कर्रा, खूंटी, तोरपा और अड़की प्रखंड के कुछ इलाकों में किसान ईख की खेती कर अतिरिक्त आय प्राप्त कर रहे हैं। बीरमकेल गांव के गन्ना उत्पादक किसान छोटू महतो और संतोष महतो कहते हैं कि पहले हमलोग सिर्फ

गन्ने के खेत में सिंचाई कर रही अनीता देवी। ● द फोटोन न्यूज

धान की खेती करते थे। अच्छी वर्षा होने पर धान की खेती होती थी, अन्यथा दूसरे जगह मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करना पड़ता था लेकिन अब किसान साल में दो बार ईख की खेती कर अच्छी आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

इसी गांव के गन्ने के खेत में सिंचाई कर रही अनीता देवी कहती है कि लागत और मेहनत के हिसाब से ईख की खेती किसानों के लिए काफी लाभदायक है। अनीता ने कहा कि पहले गिने-चुने किसान ही गन्ने की खेती करते थे लेकिन इससे होने वाली आय को देखते हुए अब दर्जनों किसान इसकी खेती कर रहे हैं।

गांव के ही गन्ना उत्पादक किसान राजेश मांझी, निरंजन मांझी, वीरेंद्र अधिकारी, रामानंद मांझी, रितेश मांझी, उदित मांझी और शंकर मांझी ने कहा कि गन्ने की खेती नकदी फसल है। पहले लोगों को तैयार ईख को बेचने के लिए खूंटी, तोरपा, तपकारा, मुरहू जैसी जगहों में जाना पड़ता था लेकिन अब अधिक मात्रा में खेती होने से व्यापारी खेत में आकर पूरी फसल खरीद लेते हैं। किसानों ने बताया कि एक एकड़ खेत में लगभग पांच से नौ सौ क्विंटल गन्ने का उत्पादन होता है। व्यापारी खेत से ही ढाई से तीन सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ने की खरीद कर लेते हैं।

कृषि तकनीकी प्रबंधन एजेंसी (आत्मा) खूंटी के उप परियोजना निदेशक अमरेश कुमार कहते हैं कि गन्ने की खेती वैसे तो किसी भी मिट्टी में की जा सकती है लेकिन सबसे उपयुक्त दोमट मिट्टी होती है। खूंटी जिले में अधिकांश खेत दोमट मिट्टी वाले हैं। इसलिए यहां गन्ने की खेती की काफी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि गन्ने की खेती में सबसे महत्वपूर्ण बात होती है खेतों से पानी की निकासी। जल जमाव से ईख की खेती खराब हो जाती है। उप परियोजना निदेशक ने कहा कि कृषि विभाग खूंटी जिले में गन्ने की खेती को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। इसके लिए किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

खूंटी-सिमडेगा मुख पथ पर बाबा आम्रेश्वर धाम से एक किलोमीटर आगे एक मोड़ आता है नाम है कतारी मोड़। गन्ने को नागपुरी भाषा में कतारी कहा जाता है। सड़क के उत्तरी भाग में स्थित बीरमकेल, सुंदारी, दरला आदि गांव में काफी मात्रा गन्ने की खेती होती है। गांव वालों के अनुसार काफी पहले से इस क्षेत्र में गन्ने की होती आ रही है। किसान साइकिल और अन्य साधनों से तैयार कतारी (गन्ना) को बेचने के लिए उसी मोड़ से होकर खूंटी, तोरपा आदि क्षेत्रों में जाते थे। भारी मात्रा में उस मोड़ से गन्ने की ढुलाई के कारण उसका नामकरण ही कतारी मोड़ हो गया।

पटना हाई कोर्ट ने बिहार में जाति गणना पर तत्काल प्रभाव से लगाई रोक

दो दिनों की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट का फैसला

AGENCY PATANA : बिहार में नीतीश सरकार की जाति आधारित गणना पर गुरुवार को पटना हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने आदेश दिया है कि गणना को तत्काल प्रभाव से रोक दिया जाए। इसके पहले हाई कोर्ट में मामले को लेकर दो दिन तक सुनवाई हुई थी। इसके बाद चीफ जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस फैसले के बाद नीतीश सरकार को बड़ा झटका लगा है।

दूसरी ओर जातीय गणना पर मुख्यमंत्री ने गुरुवार को कहा कि जाति आधारित गणना सर्वसम्मति से कराई जा रही है। हम लोगों ने केंद्र सरकार से इसकी अनुमति ली है। हम पहले चाहते थे कि पूरे देश में जाति आधारित जनगणना हो लेकिन जब केंद्र सरकार नहीं मानी तो हम लोगों ने जाति आधारित गणना सह आर्थिक सर्वे कराने का फैसला लिया।

बीते 24 अप्रैल को ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पटना हाई कोर्ट जाने को कहा था। इसके बाद 2 और 3 मई को हाई कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई थी। मामले में बीते सोमवार को पहली सुनवाई होनी थी लेकिन सरकार की ओर से किए गए काउंटर एफिडेविट रिकॉर्ड में नहीं होने के कारण हाई कोर्ट ने सुनवाई को मंगलवार के लिए टाल दिया।

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अपराजिता सिंह और हाई कोर्ट के अधिवक्ता दीनू कुमार को जातीय गणना को असंवैधानिक करार देने के लिए हाई कोर्ट में दलीलें पेश करनी थीं। एडवोकेट जनरल (महाधिवक्ता) पीके शाही ने सरकार की ओर से अपना पक्ष रखा। कोर्ट ने

पटना हाई कोर्ट का प्रवेश द्वार

एडवोकेट जनरल से पूछा कि जाति आधारित गणना कराने का उद्देश्य क्या है? इसको लेकर क्या कोई कानून बनाया गया है? जवाब में पीके शाही ने कहा कि दोनों सदन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर जातीय गणना कराने का निर्णय लिया गया था। कैबिनेट ने उसी के मद्देनजर गणना कराने पर अपनी मुहर लगाई। यह राज्य सरकार का नीतिगत फैसला है। इसके लिए बजट में प्रावधान किया गया है।

याचिकाकर्ता के वकील दीनू कुमार ने कहा कि आखिर इस जाति आधारित गणना का उद्देश्य क्या है? इसमें 500 करोड़ रुपये खर्च करने की बात कही जा रही है लेकिन इसका परिणाम क्या होगा और किसे फायदा होगा। सरकार यह बताए कि समाज में जाति प्रथा को खत्म करने की बात लगातार कही जा रही है लेकिन जातीय गणना कराकर किसे फायदा पहुंचाया जा रहा है? इसका जवाब सरकार दे।

संविधान के अनुच्छेद-37 का हवाला देकर सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि राज्य सरकार का यह संवैधानिक दायित्व है कि वह अपने नागरिकों के बारे में जानकारी प्राप्त करे ताकि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि जाति से कोई भी राज्य अछूता नहीं है। जातियों की जानकारी के लिए पहले भी मुंगेरीलाल कमीशन का गठन हुआ था। बिहार सरकार की ओर से गणना असंवैधानिक है।

सरकार के पास डेटा नहीं

पीके शाही ने यह भी कहा कि सरकार के पास वंचित समाज और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का कोई डाटा नहीं है। लिहाजा जातिगत आंकड़े जरूरी हैं। उन्होंने यह भी दलील दी है कि यह कास्ट सेंसस नहीं है। यह जातीय गणना सह आर्थिक सर्वेक्षण हैं। महाधिवक्ता से याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कहा कि आपका निर्णय राजनीति से प्रेरित है। राजनीतिक फायदे के लिए यह सब हो रहा है।

इसके जवाब में महाधिवक्ता ने कहा कि हर सरकार राजनीति के तहत कार्य करती है। वोट बैंक के लिए होती है। हर राज्य और केंद्र की सरकार वोट बैंक के लिए ही योजना बनाती है। किसी भी सरकार के कार्यों को वोट बैंक से दूर नहीं कहा जा सकता है। पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बेंच ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

BRIEF NEWS

बिहार के दरभंगा में बोलेरो-ऑटो की टक्कर में दो की मौत

AGENCY DARBHANGA : बिहार के दरभंगा-समस्तीपुर मुख्य सड़क मार्ग के बहादुरपुर थाना अन्तर्गत औझाल गांव के पास गुरुवार सुबह बेलोरो-ऑटो की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि आठ लोग बुरी तरह से घायल हो गए। बहादुरपुर थाना के चौकीदार नथुनी पासवान ने बताया कि यह सड़क हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे। बोलेरो और ऑटो में कुल मिलाकर 16 यात्री सफर कर रहे थे जिसमें 10 को अस्पताल ले जाया गया था। जिसमें से विष्णु सहनी और दशरथ सहनी की इलाज के दौरान मौत हो गई। घायलों में राम बालक सहनी, पचू सहनी, राजीव सहनी, बैजू सहनी, अनिल सहनी, अशोक दास , संतोष सहनी, भुल्लू सहनी शामिल हैं। कुछ घायल का इलाज निजी अस्पताल में भी चल रहा है। एक घायल ने बताया कि सभी लोग समस्तीपुर जिला कल्याणपुर थाना क्षेत्र पुरसोत्तमपुर गांव से मजदूरी करने दरभंगा के तारसराय मुरिया टेंपो पर सवार होकर जा रहे थे। इसी क्रम में यह हादसा हुआ है।

बिहार में नगर निकाय चुनाव की घोषणा, 31 नगर पालिका क्षेत्रों में 9 जून को होगा मतदान

AGENCY PATNA : बिहार में नगर निकाय चुनाव की घोषणा कर दी गयी है. पटना के मनेर नगर परिषद सहित 31 नगर पालिका क्षेत्रों में 9 जून को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। वही मतों की गिनती 11 जून को सुबह 8 बजे से होगी। 9 मई से 17 मई तक उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करेंगे। 21 जिले के कुल 31 नगरपालिका में चुनाव होगा। नगर निगम के 2, नगर परिषद के 18 और नगर पंचायत के 11 नगरपालिका क्षेत्र इसमें शामिल हैं, जहां करीब एक महीने बाद 9 जून को मतदान होगा, जबकि मतदान के एक दिन बाद 11 जून को मतों की गिनती बनाए गये मतगणना केंद्र पर होगी। 18 मई से 20 मई तक नाम वापसी की तिथि निर्धारित की गयी है। 24 मई को चुनाव चिन्ह का आवंटन किया जाएगा। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान 11 जून को करायी जाएगी। शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न कराए जाने को लेकर भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की जाएगी। नगर निकाय चुनाव की घोषणा के बाद जहां चुनाव होने है, वहां आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है।

यूट्यूबर मनीष कश्यप की रिमांड अवधि कोर्ट ने 12 दिन बढ़ायी, सुप्रीम कोर्ट में 8 को सुनवाई

AGENCY PATNA : तमिलनाडु में बिहारी मजदूरों के साथ हिंसा की फेक वीडियो वायरल करने के मामले में जेल में बंद यूट्यूबर मनीष कश्यप को एक बार फिर कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। तमिलनाडु की मदुरै कोर्ट ने मनीष कश्यप को राहत नहीं देते हुए रिमांड अवधि को 17 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। मनीष कश्यप अब कम से कम 17 मई तक जेल में रहेंगे। उनकी जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। हिंसा का फेक वीडियो वायरल करने के मामले में तमिलनाडु पुलिस ने मदुरै कोर्ट से यूट्यूबर मनीष कश्यप की रिमांड अवधि बढ़ाने की मांग की थी। तमिलनाडु पुलिस की मांग पर सुनवाई करते हुए मदुरै कोर्ट ने यूट्यूबर की रिमांड अवधि को 12 दिनों के लिए बढ़ा दिया है. फिलहाल मनीष कश्यप मदुरै की सेंट्रल जेल में बंद है। मनीष कश्यप मामले में 8 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर ही मनीष कश्यप की रिहाई संभव है।

उच्च न्यायालय के आदेश पर डीएम ने शुरू कराई विवादित भूखंड की मापी

AGENCY BAGUSARAI : बेगूसराय नगर निगम क्षेत्र के वार्ड-43 विष्णुपुर स्थित विवादित भूखंड की मापी गुरुवार से शुरू हो गई है। उच्च न्यायालय के आदेश पर डीएम रोशन कुशवाहा ने प्रशासनिक अधिकारियों की टीम के साथ विवादित भूखंड का निरीक्षण कर मापी शुरू कराई है। डीएम रोशन कुशवाहा ने बताया कि दो पक्षकारों के बीच विवाद को लेकर उच्च न्यायलय के आदेश पर मापी कराई जा रही है। प्रथम दृष्टया केवाला की शर्तों के उल्लंघन करते हुए भवन निर्माण का मामला है। दोनों पक्षकारों ने भूमि खरीद की है, इसमें रकवा की कमी है। मापी के बाद उच्च न्यायालय को प्रतिवेदन समर्पित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 2009 में विष्णुपुर निवासी स्व. श्याम किशोर सिंह की पत्नी कामिनी देवी ने रास्ते की भूमि को अतिक्रमण कर भवन निर्माण किए जाने की शिकायत की थी। जिसमें विजय शंकर सिन्हा, रामनारायण सिन्हा एवं कौशल किशोर सिन्हा पर रास्ते की भूमि को अतिक्रमित कर भवन निर्माण कर रास्ता अवरूद्ध करने की बात कही गई।

छापेमारी में गया पुलिस ने 2529 किलोग्राम डोडा किया बरामद

AGENCY PATNA : बिहार पुलिस ने गया और अरवल से भारी मात्रा में नशीले पदार्थों को जब्त किया है। छापेमारी के दौरान गया में 2529 किलो डोडा बरामद किया गया है, वही अरवल में 625 कार्टन विदेशी शराब को पुलिस ने जब्त किया है। हालांकि इस कार्रवाई में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पायी है। जब्त शराब की कीमत 70 लाख रुपये बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार गया पुलिस ने छापेमारी के दौरान 2 हजार 529 किलो डोडा बरामद किया है। फिलहाल पुलिस तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। बरामद डोडा की कीमत लाखों में बतायी जा रही है। गया के एसएसपी आशीष भारती के निर्देश पर पुलिस ने धनगाई थाना क्षेत्र के तिलेटांड़ गांव में छापेमारी की। इस दौरान गया पुलिस के साथ एसएसबी की टीम भी साथ थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो तस्कर पुलिस को देखते ही भाग खड़े हुए। अरवल से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को यहां भी बड़ी सफलता हाथ लगी है। शराब के अवैध व्यवसाय में लगे शराब तस्करों के खिलाफ चलाये गए विशेष अभियान के तहत अरवल जिले के मेहंदिया थाने की पुलिस ने विदेशी शराब की बड़ी खेप को पकड़ा है। राष्ट्रीय राजमार्ग 139 पर वलिदाद कब्रिस्तान के समीप पुलिस ने एक ट्रक पर धान की भूसी की बोरी से छिपाकर पटना की ओर ले जा रहे 625 कार्टून अंग्रेजी शराब की बरामद किया।

बजरंगबली की पूजा होगी तथा बजरंग दल रहेगा : गिरिराज सिंह

AGENCY MUZAFFARPUR : केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को मुजफ्फरपुर में कहा कि जब तक सनातन का एक एक बच्चा जीवित रहेगा तब तक बजरंग बली की पूजा होगी और बजरंग दल रहेगा।

केंद्रीय मंत्री सह भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह विभिन्न कार्यक्रम में शामिल होने मुजफ्फरपुर पहुंचे। जहां जिले के सर्किट हाउस में पत्रकारों के सवाल पर नीतीश सरकार पर जमकर प्रहार किया।

उन्होंने बजरंगबली की पूजा और बजरंग दल पर रोक लगाने के सवाल पर कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक है कि हिंदुओं के खिलाफ बोलेंगे तो मुसलमान का वोट बैंक हासिल होगा। यह समाज को आपस में विभाजित कर देने की साजिश है। जबतक सनातन धर्म का एक एक बच्चा जीवित रहेगा तब तक बजरंगी बलि की पूजा होगी और बजरंग दल रहेगा और ऐसा न होने पर विरोध भी होगा।

जातिगत जनगणना पर हाईकोर्ट के रोक लगाने के मामले में गिरिराज सिंह ने कहा कि हम सब भी इसके पक्षधर है। यह होना चाहिए लेकिन सरकार पहले हिसाब दे कि हिन्दू धर्म के कितने दलित समाज और पिछड़ी जाति के लोगो को नए सिरे से नौकरी मिली है और सरकार उसके लिए क्या कुछ किया है।

चरस व गांजा तस्करी के आरोपी को सश्रम कारावास

AGENCY EAST CHAMPARAN : बारहवीं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश नूर सुल्ताना ने गुरुवार चरस व गांजा तस्करी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को दस वर्षो का सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपये अर्थ दंड की सजा सुनाई। अर्थ दंड नहीं देने पर एक माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा संतोष कुमार पिता राम ललित, ग्राम चितखोर, पोस्ट बरहुआ, थाना लालगंज, जिला बस्ती (उत्तर प्रदेश) को हुई। मामले में पनटोका महादेवा एसएसबी कैंप के उप निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने रक्सौल थाना कांड संख्या 69/2014 दर्ज कराते हुए कहा था कि 7 मार्च 2014 की सुबह गुप्त सूचना पर रक्सौल कोईरिया टोला चौक के समीप हाथ में बैग लिए एक युवक को पकड़ा गया। जांच के दौरान बैग से पांच किलो चार सौ ग्राम चरस व चार किलो गांजा बरामद हुआ था।

मुख्यमंत्री के साथ बैठकर हाई कोर्ट के आदेश पर आगे की रणनीति तय करेंगे : तेजस्वी

AGENCY PATNA : पटना हाई कोर्ट ने जाति आधारित जनगणना पर गुरुवार को तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। इसके बाद बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि कोर्ट के आदेश को पहले समझेंगे। फिर मुख्यमंत्री से बैठकर बात करेंगे और तय करेंगे कि आगे क्या करना है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि हमारी सरकार जाति आधारित सर्वे कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और कराएगी।गरीबी, बेरोजगारी हटाने एवं जनकल्याणकारी नीतियां बनाने के लिए सरकारों को वैज्ञानिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है। इसके लिए ही हमारी सरकार सभी जातियों और वर्गों को सम्मिलित कर जाति आधारित सर्वे करवा रही है। केंद्र हमारे साथ सौतेला व्यवहार करती है। हम अपने पिछड़े लोगों को आगे लाने के लिए कुछ करना चाहते हैं तो भाजपा वाले सवाल

उठाते हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार नहीं चाहते कि जातीय गणना हो। नीतीश कुमार की गलतियों की वजह से हाई कोर्ट ने रोक लगाई है। जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा है कि यह हाई कोर्ट का अंतरिम फैसला है। इसे फाइनल नहीं माना जाना चाहिए। राजद के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा है कि सरकार फैसले का अध्ययन करेगी और आगे कौन सा कदम उठाया जाए, इस पर विचार करेगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा है कि सोच-विचार कर बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना का फैसला लिया था। दूसरे प्रदेशों में भी जाति आधारित गणना हुई है। इस पर इतनी हाय-तौबा क्यों? भाकपा माले के राज्य सचिव कुणाल ने कहा कि कोर्ट का यह फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। बिहार में 1931 के बाद जाति गणना नहीं हुई है।

बारात में चली गोली, डांसर की मौत

AGENCY SUPOL

बिहार के सुपौल जिले के मरौना थाना क्षेत्र अंर्तगत मंगासिहौल गांव में एक शादी समारोह में डांसर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शादी समारोह में युवक हाथ में कट्टा लेकर डांस कर रहे थे और इसी बीच उन लोगों ने फायरिंग कर दी। फायरिंग से शादी में आये डांसर सुभाष सदा के मुंह में गोली लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद आरोपी फरार है। दूसरी ओर घटना की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। आपको बता दें कि जिले के गरौना पंचायत के मंगासिहौल गांव के

अस्पताल में इलाजरत एक घायल बाराती।

महेश यादव की पुत्र की शादी थी। बारात तीन मई को जा रही थी। बारात में शरीक लोगों में कुछ युवक कट्टा लेकर डांस कर रहे थे। इसी दौरान 22 वर्षीय डांसर सुभाष सदा भी ट्रैक्टर के ट्रॉली पर डीजे के धुन पर डांस कर रहा था। उन बारातियों में डांस कर कहे युवकों में से किसी ने फायरिंग कर दी। इस फायरिंग में उस डांसर को गोली लग गई। इसके बाद डांसर के घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक सुभाष सदा तीरयाही गांव का रहने वाला था। इस घटना के बाद डांसर के घर में कोहराम मच गया।

इस घटना की सूचना मिलते ही मरौना थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके साथ मरौना थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार ने बताया कि मंगलाशिरोह गांव के महेश यादव के पुत्र की शादी समारोह में तीरयाही गांव निवासी 22 वर्षीय डांसर सुभाष सदा को हर्ष फायरिंग के दौरान गोली मुंह में गोली लग गई, जिससे घटनास्थल पर ही डांसर की मौत हो गई। फिलहाल,पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार करने की बात कही गई है।

केंद्र की योजनाओं पर ग्रहण लगा रही राज्य सरकार : अश्विनी चौबे

AGENCY BHAGALPUR

केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे गुरुवार को भागलपुर पहुंचे। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री चौबे ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से दी जाने वाली जितनी भी योजनाएं बिहार में है, उस पर बिहार सरकार ग्रहण लगाने का काम कर रही है।

अश्विनी चौबे ने कहा कि मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनकर तैयार है। केंद्र सरकार पूर्णरूपेण अपना सहयोग कर चुकी है। लेकिन राज्य सरकार की ओर से कुछ राशि मिलने के बाद यह हॉस्पिटल तुरंत चालू हो जाएगा। लेकिन राज्य सरकार इस पर अटकलें लगाई हुई है। वहीं सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया का-2020 में शिलान्यास हुआ और 2021 में इसे बन कर तैयार हो जाना था। लेकिन उस जगह पर मिट्टी भराई में ही ज्यादा खर्च हो गए। जिसके चलते तकरीबन तीन करोड रुपये के बजट को बढ़ाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि लगभग काम यहां भी हो चुके हैं। आठ करोड़ की लागत से यह भवन बन रहा है। लेकिन इसमें खर्च 11 करोड़ों रुपये लग रहे हैं। जिसमें तीन करोड़ रुपये जल्द देकर इसे 5 से 6 महीने में शुरू करा दिया जाएगा। स्मार्ट सिटी के तहत चल रहे कई कार्यों को लेकर विभिन्न पदाधिकारियों के साथ भी केंद्रीय मंत्री चौबे ने कई बिंदुओं पर वार्ता की।

नीतीश सरकार के दावे की खुली पोल, खेतों से नदी पार कर होती है तस्करी

बिहार के किशनगंज में पौआखाली के रास्ते हो रही है मवेशी की तस्करी

AGENCY KISHANGANJ

जिले में ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र से होकर हो रही है पशुओं की तस्करी। कुम्हिया होते हुए सीमलबाड़ी बूढ़ी कनकई नदी के रास्ते पौआखाली थाना क्षेत्र से होकर पशुओं की तस्करी की जाती है। पशुओं की तस्करी दिन के उजाले में हो रहा है और जिम्मेदार लोग इससे बेखबर है। आए दिन जिलेभर में पशु तस्करी से जुड़े मामले प्रकाश में आते रहे हैं और इसकी खबरें भी प्रकाशित होती रही है। पशु तस्करी के लिए

पशुओं को ले जाते पशु तस्करी गिरोह के लोग।

इससे अच्छा मार्ग तस्करों को मिल ही नहीं सकता था कि खेत से होते हुए नदी पार करते हुए फिर ऐसे रास्ते से पशुओं की तस्करी करना कि किसी को कानों कान खबर भी ना हो और वह रास्ता पौआखाली थाना क्षेत्र से होकर गुजरता है।

यह पहली बार नहीं है कि पशु तस्करी का मामला, उक्त मार्ग से होकर रोज होती है तस्करी। उक्त मार्ग पशु तस्करों के लिए वरदान साबित हो रहा है क्योंकि यहां पर कभी भी चेकिंग नहीं किया जाता है। जिसके कारण पशु तस्कर आराम से उक्त मार्ग के जरिए अपना पशु तस्करी का धंधा को चमका रहे हैं और अपना जेब गर्म कर रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो बड़े-बड़े पशु तस्कर पशुओं की तस्करी के लिए दिहारी मजदूर रखते हैं जिसके जरिए से वे पशु तस्करी करवाते हैं। मामले में उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है ताकि यह पता चल सके कि आखिर उक्त मार्ग से होकर पशु तस्करी करवाने में किन-किन माफियाओं का हाथ है ? और किनके बल बूते दिन दहाड़े पशु की तस्करी हो रही है। चिन्हित कार पशु तस्करों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई होनी चाहिए ताकि पशु तस्करी को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने 342.31 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पुलिस भवनों का किया उद्घाटन

AGENCY PATANA :

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 342.31 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित विशेष सुरक्षा दल भवन पटना, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय गया, बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग, केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) एवं 74 थाना भवन सहित कुल 174 पुलिस/गृह रक्षा वाहिनी/अग्निशमन भवनों का उद्घाटन किया। साथ ही 684.17 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होनेवाले 108 थाना भवनों सहित कुल 150 पुलिस भवनों का भी शिलान्यास किया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 174 भवन का उद्घाटन किया गया है, जिसकी लागत राशि 342 करोड़ 31 लाख रुपये है। साथ ही 150 भवनों का शिलान्यास किया गया है, जिसकी लागत राशि 684 करोड़ 17 लाख रुपये है। इसमें 108 थाना भवन, दरभंगा में वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, खगड़िया, लखीसराय और सारण में सिपाही बैरक और नवादा में गृह रक्षा वाहिनी का कार्यालय और आवासीय परिसर आदि शामिल है। उन्होंने कहा कि विशेष सुरक्षा बल का प्रशासनिक भवन और आवासीय परिसर बनाया गया है, जिसकी लागत 22 करोड़ 74 लाख रुपये है। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग एवं केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही) भर्ती का कार्यालय भवन की लागत राशि 8 करोड़ 16 लाख रुपये है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पहले कहा था कि जिन थानों का अपना भवन नहीं है उन थानों के भवन का शीघ्र निर्माण कराएं। बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम को बेहतर ढंग से कार्य करते रहना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जितनी महिला पुलिस की संख्या हैं उतनी किसी अन्य राज्य में नहीं है। पहले पुलिस भवनों की हालत अच्छी नहीं थी लेकिन आज उसकी स्थिति अच्छी हो गयी है। थानों में महिलाओं की सभी सुविधाएं उपलब्ध रखनी हैं। थाने का भवन भी सुंदर बनाया गया है। थाने के ऊपर ही रहने के लिए भी व्यवस्था कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सभी थानों में लैंडलाइन की व्यवस्था को दुरुस्त कराया है ताकि पता चल सके कि पुलिस अपनी ड्यूटी में तैनात हैं की नहीं। सभी थानों में लैंडलाइन हमेशा फंक्शनल रखें।

जीवन जीने का धर्म

पूजा और प्रशस्ति के बीच बुद्ध की प्रखर चिंतन प्रक्रिया ओझल या सरलीकृत हो जाती है। उनकी चिंतन प्रक्रिया कोरे वाग्विलास की जगह व्यावहारिक समाधान की ओर उन्मुख थी। जीवन की पीड़ादायी और असंतोषजनक स्थिति उनके विचार-यात्रा का मूल थी। जन्म-मृत्यु के बंधन कारागृह जैसे ही थे। पुनर्जन्म का अनवरत चलने वाला वात्याचक्र दुःख का कारण था और इससे उबरना मुख्य समस्या थी। ईसा पूर्व पाँचवीं सदी में जन्मे महात्मा बुद्ध अपने समय में प्रचलित धर्म-कर्म, विश्वास और जीवन पद्धति की विसंगतियों से क्षुब्ध थे। इतिहास में यह वह काल था जब कृषि की समृद्धि से नगर जन्म ले रहे थे और व्यापार के माध्यम से भारत से बाहर की संस्कृति की जानकारी भी मिल रही थी। बाह्य सम्पर्क से यह भी पता चल रहा था कि जाति विहीन समाज भी होते हैं और संस्कृत के अतिरिक्त और भी भाषाएँ बोली जाती हैं। बढ़ती सामाजिक गतिशीलता के आलोक में नए किस्म के धर्म की आवश्यकता महसूस की जाने लगी थी। तरह-तरह के कर्मकांड थे और आगे चल कर उपनिषद के वेदांत विषयक विचार के प्रतिपादन में अनादि और अनंत ब्रह्म और उसकी प्राप्ति को जीवन के लक्ष्य के रूप में प्रतिष्ठित किए जा रहे थे। जीवन परिवर्तनशील है और ब्रह्म शाश्वत अर्थात निरंतर उपस्थित रहने वाला और इस भाँति अपरिवर्तनीय। उसे शिव (कल्याणकारी) के रूप में प्रतिपादित किया गया। संभवतः ब्रह्म के साथ तादात्म्य के जरिए अमरता की प्राप्ति की अवधारणा शिवत्व का आधार थी। महात्मा बुद्ध ने हमारे अनुभव जगत की परिवर्तनशीलता और अनित्यता के घोर सत्य को स्वीकार किया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी लक्ष्य किया कि हमारे सुख-संतोष के क्षण भी आसन्न मृत्यु की पृष्ठभूमि में अस्थायी हो जाते हैं। परिवर्तन में दुःख, कुंठा और असंतोष भी स्वभावतः आ जाते हैं। महात्मा बुद्ध के विचार में जीवन के तीन लक्षण हैं: उसका अस्थायित्व, संतोष का अभाव और आत्मा की अनुपस्थिति। चीजें अस्थायी हैं इसलिए असंतोष होगा और वे आत्मा नहीं हो सकतीं क्योंकि उसे स्थायी और शाश्वत माना गया था। यदि आत्मा है जो परिवर्तित नहीं होता जो वह हमारे जीवन में, जो सतत परिवर्तनशील है, भाग ही नहीं ले सकता और हमें उसका किसी तरह की प्रतीति या अनुभव भी नहीं हो सकता। अनुभव तो कार्य और कर्म के परिणाम का ही होता है या हो सकता है जिसका चक्र निर्वाण मिलने तक चलता ही रहता है। ध्यान रहे कि अनात्त कह कर अस्तित्व की निरंतरता को नकारते हुए बुद्ध व्यक्ति को उसकी नैतिक जिम्मेदारी से मुक्त या बरी नहीं करते। हमारी निरंतरता (आत्मा की जगह) कर्म में बनी होती है। उपनिषद के चिंतन में जो स्थायी है अधिक महत्व का और वास्तविक यानी सत्य है और दूसरी ओर जो बदलता है वह कमतर सत्य है। अपरिवर्तनशील आत्मा का अस्तित्व है। बुद्ध इसके विपरीत खड़े होते हैं। कर्म का शाब्दिक अर्थ है कार्य या क्रिया। कर्म का बाद में भविष्य में अच्छा या बुरा परिणाम होता है जैसे- किसान खेत में बीज बोते हैं और बाद में चल कर फसल काटते हैं। बुद्ध के लिए कर्म भौतिक न था। वह कर्म को उसके पीछे की भावना या मंतव्य से जोड़ते हैं जो नैतिक या अनैतिक हो सकती है। पर हम जीवन का आरम्भ साफ स्लेट से नहीं करते। हम अपने अतीत के कर्मों के दाय से युक्त होते हैं। यदि नैतिक रूप से अच्छी भावना हो तो मन शुद्ध रहता है। नैतिक आदमी ध्यान द्वारा चित्त को शुद्ध कर सकता है तब स्वार्थी मनोवृत्तियों से मुक्त हो कर बुद्धि निर्मल हो जाती है। महात्मा बुद्ध ने चार आर्य सत्य बताए। उनमें पहला यह है कि सभी प्राणी दुःख का अनुभव करते हैं। दूसरा यह है कि दुःख का कारण होता है। वह है इच्छाएँ होना। इच्छाओं का पूरा न होना दुःख का कारण बनता है। दुःख से मुक्ति की राह है इच्छाएँ न करना। चौथा इसका उपाय है अष्टांगिक मार्ग जो सम्यक आचरण, आदि हैं। हम स्वयं अपने लिए उत्तरदायी हैं। महात्मा बुद्ध खुद को इच्छाओं के बाण को बाहर निकालने वाले शल्य चिकित्सक की तरह व्यक्त करते हैं। वे यह भी कहते हैं कि जैसे समुद्र का स्वाद नमकीन होता है उनकी शिक्षाओं में सिर्फ मुक्ति का संदेश है। वे यह भी कहते हैं कि संदेह होने पर किसी और पर नहीं बल्कि अपने साक्षात अनुभव को प्रमाण मानें। बुद्ध ने यह कहा कि हमारे जीवन और अनुभव में जो कुछ है वह केवल प्रक्रिया है और सभी चीजें कारणों से जुड़ी होती हैं। अर्थात विश्व का न कोई आदि है न सर्जक। कुछ भी कारण से स्वतंत्र नहीं है। प्रक्रियाएँ यादृच्छिक (रैंडम) नहीं हैं न ही पूरी तरह पूर्वनिश्चित हैं। वे पूर्व दशाओं की सीमा में होती हैं। यदि चुनने का विकल्प न हो तो नैतिकता का ही लोप हो जायगा। कर्म को केंद्र में ला कर महात्मा बुद्ध ने आत्मा के विचार के स्थान पर, जो स्थिर और नैतिकता से रहित था, उसकी जगह एक प्रक्रिया के विचार को स्थापित किया जिनका अवलोकन किया जा सकता है और जो अनुभवगम्य है। यह प्रक्रिया परिवेश के साथ सतत अंत क्रिया करती रहती है और व्यक्ति को प्रभावित करती है। महात्मा बुद्ध कोरे सिद्धांतकार न थे। उनहोने जीवन जीने के अनेक सूत्र भी दिए हैं। धम्म पद में इनका सुंदर संकलन मिलता है। मनुष्य के आचरण के लिए मन की प्रधानता बतलाते हुए वे कहते हैं: मनो पुब्बंगमा धम्मा मनोसेट्ठा मनोमया अर्थात सब कुछ मन से शुरू होता है और मनोमय है। अगर कोई दुष्ट मन से बोलता या करता है तो दुःख उसका पीछा करता है वैसे ही जैसे बैलगाड़ी का पहिया उसे खींचने वाले बैल के पीछे पीछे चलता है। इसके विपरीत यदि कोई प्रसन्न मन से बोलता या कुछ करता है तो सुख उसके पीछे-पीछे अनुसरण करता है जैसे आदमी की परछाई उसके साथ-साथ रहती है।

एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का प्रयास

MY STORY

✍ प्रहलाद सबनानी

उत्तर प्रदेश ने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 29,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। परंतु राज्य को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अब वर्ष 2027 तक आवश्यक विकास दर 34.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष हासिल करनी होगी। इतनी भारी भरकम विकास दर हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य को विशेष प्रयास करने होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान 27 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 50 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 22 करोड़ है, अतः राज्य में आर्थिक विकास के साथ उत्पादों की भारी भरकम मांग उत्पन्न की जा सकती है एवं उत्तर प्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था खपत आधारित अर्थव्यवस्था बन सकती है।

भारत को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी कॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो निश्चित ही इसका रास्ता विभिन्न राज्यों के विकास के मार्ग से होकर जाता है। यह हर्ष का विषय है कि भारत के कुछ राज्य अपनी अर्थव्यवस्था को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की ओर ले जाने के गम्भीर प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। इन राज्यों में शामिल हैं- उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक एवं तमिलनाडु। इन राज्यों की वर्तमान में (वर्ष 2021-22) सकल राज्य घरेलू उत्पाद का स्तर, वर्तमान में वास्तविक वार्षिक विकास दर एवं आगे आने वाले समय में आवश्यक विकास दर की स्थिति पर विचार करने पर ध्यान में आता है कि इनमें से कुछ राज्यों को अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करने होंगे। उत्तर प्रदेश ने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 29,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। परंतु राज्य को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अब वर्ष 2027 तक आवश्यक विकास दर 34.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष हासिल करनी होगी। इतनी भारी भरकम विकास दर हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य को विशेष प्रयास करने होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान 27 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 50 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 22 करोड़ है, अतः राज्य में आर्थिक विकास के साथ उत्पादों की भारी भरकम मांग उत्पन्न की जा सकती है एवं उत्तर प्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था खपत आधारित अर्थव्यवस्था बन सकती है। इससे उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास की प्रबल सम्भावनाएं मौजूद हैं। हालांकि हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य विकास के पथ पर चल पड़ा है। राज्य के पश्चिमी एवं पूर्वी इलाकों में सड़क मार्ग की उपलब्धता में अतुलनीय सुधार किया जा रहा है। नए नए सड़क मार्ग के कॉरिडोर एवं एक्स्प्रेस रास्तों का निर्माण किया जा रहा है। आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का निर्माण हो रहा है। इन समस्त सुविधाओं के बढ़ने से उत्तर प्रदेश राज्य में भारी भरकम निवेश आकर्षित हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से अन्य राज्यों की ओर कम प्रस्थान कर रहे हैं। दिनांक 10 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश राज्य ने एक निवेश सम्मेलन 2023 का आयोजन किया था।

इस वैश्विक निवेश सम्मेलन में भारतीय कम्पनियों के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय स्तर की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भी भाग लिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस सम्मेलन में 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश की राशि के प्रस्ताव प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। परंतु, आश्चर्यजनक रूप से इस वैश्विक निवेश सम्मेलन में 33 लाख करोड़ रुपए के 18,643 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे उत्तर प्रदेश में 92.5 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य तो कुछ वर्ष पूर्व तक बीमारू राज्य की श्रेणी में शामिल था परंतु अब देश में सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाले राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है। अतः अब उम्मीद की जा रही है कि उत्तर प्रदेश राज्य वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसी प्रकार महाराष्ट्र राज्य ने भी अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में महाराष्ट्र राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 43,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 10 प्रतिशत रही है। अब आने वाले वर्षों में, वर्ष 2030 तक महाराष्ट्र राज्य को अपनी अर्थव्यवस्था को औसतन 12.5 प्रतिशत की दर से प्रतिवर्ष आगे बढ़ाना होगा। यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वैसे भी महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक विकास के मामले में भारत के अग्रणी राज्यों में रहा है। मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी भी कहा जाता है। महाराष्ट्र राज्य ने भी 120,000 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किये हैं। निवेश के इन प्रस्तावों पर तेजी से कार्य चल रहा है। अतः महाराष्ट्र राज्य द्वारा वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया जाएगा, ऐसी उम्मीद की जा रही है। गुजरात राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में गुजरात राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 28,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब गुजरात राज्य को उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 16.1 प्रतिशत की विकास दर हासिल करनी होगी। यह विकास दर आसानी से हासिल की जा सकती है। गुजरात राज्य ने भी 163,000 करोड़ रुपए के राज्य में निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किए हैं एवं इन प्रस्तावों के अंतर्गत राज्य में तेज गति से निवेश हो भी रहा है। गुजरात राज्य भारत के विकसित राज्यों में शामिल है एवं गुजरात में आर्थिक विकास की दर पिछले लम्बे समय से उत्साहजनक बनी हुई है। गुजरात के पास देश में सबसे बड़ी समुद्री सीमा है, जिससे अन्य देशों के साथ उत्पादों का आयात एवं निर्यात आसानी से हो सकता है। पूर्व के वर्षों में हासिल की गई आर्थिक विकास दर को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही है कि गुजरात राज्य वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल कर लेगा। कर्नाटक राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में कर्नाटक राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 24,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब कर्नाटक राज्य को वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 32 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना होगा तभी कर्नाटक राज्य एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वर्ष 2027 तक बन सकेगा। कर्नाटक की राजधानी बंगलुरु को भारत की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की राजधानी कहा जाता है एवं कर्नाटक में स्थापित इस क्षेत्र की कम्पनियों ने भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है। कर्नाटक को उक्त लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अति गम्भीर प्रयास करने होंगे। तमिलनाडु राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में तमिलनाडु राज्य का सकल घरेलू राज्य उत्पाद 32,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 11 प्रतिशत की रही है। अब तमिलनाडु राज्य को अपनी अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने का लिए प्रतिवर्ष औसतन 19 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना होगा। यह कुछ कठिन लक्ष्य दिखाई देता है, परंतु तमिलनाडु राज्य में जिस गति से विदेशी निवेश हो रहा है और उत्पादों के निर्यात में हो रही उच्च वृद्धि दर के चलते उम्मीद की जानी चाहिए कि राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रयास करने से उक्त लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। उक्त समस्त राज्यों में निगमित अभिशासन (कॉर्पोरेट गवर्नेंस) उच्चस्तरीय है, आधारभूत सुविधाओं का द्रुत गति से विस्तार हो रहा है, कानून व्यवस्था नियंत्रण में है, ह्यईज आफ डूइंग बिजनेसह्न के मामले में इन राज्यों की स्थिति में अतुलनीय सुधार हुआ है, केंद्र सरकार एवं उक्त समस्त राज्य सरकारों के आपस में संबंध बहुत सौहार्दपूर्ण हैं एवं सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट नमूना दिखाई दे रहा है, केंद्र सरकार के सहयोग से इन समस्त राज्यों के बीच अपने अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी दिखाई देती है जिसके चलते यह समस्त राज्य अपने अपने राज्यों में निवेश, विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए, विशेष निवेश सम्मेलनों का आयोजन कर, अपने लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने का भरसक प्रयास कर रहे हैं।

(लेखक आर्थिक विश्लेषक हैं।)

समलैंगिक विवाह, परिवार व्यवस्था और कुछ तथ्य

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाली याचिकाओं पर इन दिनों सुनवाई कर रही है। न्यायपालिका के अपने तर्क हैं और समलैंगिक विवाह की दुहाई देने वाले अपने अधिकारों की बात कर रहे हैं किंतु जिनके आधार पर भारतीय संविधान का ताना-बाना बुना गया, उस सामाजिक सरोकार और भारतीय परिवार व्यवस्था के अपने मापदंड हैं।

भारतीय संदर्भों में समलैंगिक विवाह के विचार के विरोध में कम से कम एक हजार से अधिक ऐसे तर्क दिए जा सकते हैं जो वर्तमान भारतीय सामाजिक व्यवस्था के समर्थन में हैं और समलैंगिक विवाह की बातचीत करने या न्यायालय के समक्ष इसकी मांग कर रहे लोगों के विरोध में जाते हैं। विचार करें, विवाह क्यों किया जाता है? विवाह निजी मसला है या सामाजिक? विवाह सिर्फ दो व्यक्तियों के यौन संबंधों की स्वीकार्यता भर है या दो परिवारों का जुड़ना और उसके माध्यम से समाज, संस्कृति और सभ्यता को पोषित, पल्लवित और पुष्पित करना भी है?

एक विषय यह भी है कि भारत में परिवार व्यवस्था को कमजोर करने के लिए इन दिनों जो लगातार प्रत्यय हो रहे हैं, सोचने वाली बात है कि यह किसके हक में जाएंगे? आखिर इनसे किसका भला होने वाला है ? भारतीय परिवार व्यवस्था को ध्वस्त कर हम कौन से समाज निर्माण की ओर अग्रसर होंगे ? और वह भविष्य का कैसा सामाजिक ताना-बाना होगा, यहां पर स्त्री और पुरुषों के संबंधों के अतिरिक्त इस प्रकार के संबंध व्याख्यायित होते आम नजर आएंगे? जहां नैतिकता के कोई मापदंड नहीं होंगे, कोई मयार्दा नहीं होगी।

केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की चिंताएं जायज हैं और यह सिर्फ उनकी चिंता भर नहीं, बल्कि भारत समेत दुनिया भर में परिवार व्यवस्था पर विश्वास करने वाले करोड़ों करोड़ लोगों की चिंता भी है। आज हम संविधान के दायरे में मौलिक अधिकारों की परिभाषा करते हैं, वैसे कल व्यक्ति के निजी अधिकारों की बात कर इस प्रकार के विषय भी उठाए जाएंगे। फिर सोचिए कि क्या हमारी समाज व्यवस्था होगी?

वस्तुतः भारतीय समाज और उसकी मान्यताएं समलैंगिक विवाह को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सही कह रहे हैं कि समलैंगिक शादी का मसला इतना सरल नहीं है, सिर्फ स्पेशल मैरिज एक्ट में हल्का बदलाव करने से बात नहीं बनेगी। समलैंगिक शादी को मान्यता देना बहुत सारी कानूनी जटिलताओं को जन्म दे देगा। परिवार और पारिवारिक मुद्दों से जुड़े ऐसे कानून जिनमें पति के रूप में पुरुष और पत्नी के रूप में स्त्री को जगह दी गई है, इस प्रकार के इससे 160 दूसरे कानून भी प्रभावित होंगे। यह परिवार व्यवस्था का ही पुरुषार्थ है कि आज ₹वर्ल्ड ऑफ स्टैटिक्स₹ की रिपोर्ट भी दुनिया को यह बता रही है कि कैसे भारतीय परिवार व्यवस्था विश्व की सबसे श्रेष्ठतम सामाजिक व्यवस्था है जिसमें न सिर्फ सभी का स्थान सुरक्षित है बल्कि इसने ममता, दुलार भी समान रूप से सभी को प्राप्त है। यह रिपोर्ट यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि भारत में दुनिया के देशों के बीच सबसे कम तलाक या संबंध विच्छेद होते हैं जबकि आज के समय में हम सभी जानते हैं कि भारत जनसंख्या की दृष्टि से दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। भारत में तलाक प्रतिशत एक फीसदी है, जबकि वियतनाम में सात, तजाकिस्तान में 10, ईरान में 14, मैक्सिको, मिस्र और साउथ अफ्रीका में 17-17, ब्राजील में 21 और तुर्किये में 25 प्रतिशत लोग तलाक लेते हैं।

यह वैश्विक रिपोर्ट बता रही है कि जिन देशों में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दी गई है, ऐसे यूरोप और अमेरिकन देश आज सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। यहां पर सबसे ज्यादा परिवार टूट रहे हैं। पुर्तगाल में सबसे अधिक तलाक के 94 फीसदी मामले हैं। जबकि स्पेन में 85, लक्समबर्ग में 79, रूस में 73, यूक्रेन में 70, क्यूबा में 55, फिनलैंड में 55, बेल्जियम में 53, फ्रांस में 51 फीसदी और अमेरिका में 43 प्रतिशत तलाक के मामले सामने आए हैं।

ऐसे में समलैंगिक विवाह की बात करने वाले और उनका समर्थन करने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय संदर्भ में विवाह सिर्फ दो लोगों का साथ रहना, शारीरिक संबंध बनाने तक सीमित रहना भर नहीं है बल्कि इससे आगे विवाह चेतना के स्तर पर परस्पर का मिलन, अनेक परिवारों का आपस में मिलन और सहयोग, विविधताओं के बीच सह अस्तित्व एवं संस्कारों का मिलन है। इसलिए समझदारी इसी में है कि समलैंगिक विवाह जैसे व्यर्थ के विषयों को हम हवा न दें और भारतीय परिवार व्यवस्था के लाभ का अपने जीवन में अधिक से अधिक आनंद उठाएं।

Social Media Corner

सच के हक में...

शिमला के नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत के लिए प्रदेश के हमारे सभी बब्बर शेर कार्यकताओं, नेताओं, सदस्यों को बहुत बधाई। हिमाचल सरकार ने लोगों को दी गारंटी पूरी कर वादा निभाया, तभी शिमला ने कांग्रेस पर भरोसा जताया। अब कर्नाटक में, 5 गारंटी की बारी है।

(राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट से)

मुझे तोड़ लेना बनमाली,
उस पथ पर देना तुम फेंक!
मातृ-भूमि पर शीश-चढ़ाने,
जिस पथ पर जावें वीर अनेक!
राष्ट्रप्रेम में पगी रचनाओं के अनूठे साहित्यकार व स्वतंत्रता सेनानी श्री माखन लाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर सादर नमन। हिंदी साहित्य में आपके योगदान को कभी भुलाया नहीं जाएगा।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

भुखमरी से छुटकारा कब?

आधुनिक युग में भी भुखमरी से लोगों की मौत की खबरें आती रहती हैं। दुनिया भर के देशों में लोग भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। यह एक डरावना सत्य है। एक ओर जहां लोगों के रहन-सहन, जीवन-यापन के स्तर में काफी बदलाव देखने को मिलता है। लोग पहले की अपेक्षा अधिक सुख-सुविधाओं के साथ जीवन-यापन कर रहे हैं। वहीं, एक तबका ऐसा भी है जिनको खाने को भरपेट भोजन भी नहीं मिल रहा है। भोजन के अभाव में लोग भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। 21वीं सदी में आधुनिक होते जा रहे लोगों के लिए भुखमरी से होने वाली मौत एक करारे तमाचे से कम नहीं है। जब तक दुनिया के हर इंसान को दोनों वक्त भरपेट भोजन नहीं मिलेगा तब तक सारी तरक्की बेमानी है। खाद्यान्न वितरण प्रणाली में सुधार तथा अधिक पैदावार के लिए कृषि क्षेत्र में निरंतर नये अनुसंधान के बावजूद भारत में भुखमरी के हालात बदतर होते जा रहे हैं। वैश्विक भूख सूचकांक के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में भारत 121 देशों कि सूची में 107 वें स्थान पर पहुंच गया है। 121 देशों की सूची में श्रीलंका 64 वें, म्यांमार 71 वें, नेपाल 81 वें, बांग्लादेश 84 वें, पाकिस्तान 99 वें, अफगानिस्तान 109 वें स्थान पर है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स के प्रकाशकों ने भारत में 'भूख' की स्थिति को गंभीर बताया है। हालांकि भारत ने वैश्विक भूख सूचकांक 2022 को खारिज किया है। भारत ने इस रिपोर्ट को लेकर कहा है कि यह देश की छवि खराब करने का प्रयास है। सरकार ने कहा कि भूख सूचकांक रिपोर्ट न केवल जमीनी हकीकत से अलग है। इस रिपोर्ट में सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को जानबूझकर अनदेखा किया गया है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत के खराब प्रदर्शन की बात करें तो यह बीते कुछ सालों से लगातार जारी है। 2017 में इस सूचकांक में भारत का स्थान 100 वां था। साल 2018 के इंडेक्स में भारत 119 देशों की सूची में 103 वें स्थान पर रहा। वहीं 2019 में देश 117 देशों में 102 वें स्थान पर रहा था। वर्ष 2020 में भारत 94 वें स्थान पर था। 2021 में 116 देशों की सूची में 101 वें स्थान पर था। वैश्विक स्तर पर भूख के खिलाफ प्रगति हाल के वर्षों में काफी हद तक स्थिर रही है। 2014 में 19.1 की तुलना में 2022 में 18.2 के वैश्विक स्कोर के साथ केवल मामूली सुधार हुआ है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स स्कोर की गणना चार संकेतकों पर की जाती है। जिनमें अल्पपोषण, कुपोषण, बच्चों की वृद्धि दर और बाल मृत्यु दर शामिल हैं। वर्तमान ग्लोबल हंगर इंडेक्स अनुमानों के आधार पर पूरी दुनिया और विशेष रूप से 47 देश- 2030 तक लक्ष्य के निम्न स्तर को प्राप्त करने में विफल रहेंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा पर कई मोर्चों पर बिगड़ती स्थितियां, वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से संबंद्ध मौसम के बदलाव और कोविड -19 महामारी से जुड़ी आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भुखमरी को बढ़ा रही हैं। सहायता कार्यों से जुड़ी आयरलैंड की एजेंसी कंसर्न वर्ल्डवाइड और जर्मनी के संगठन वेल्ट हंगर हिल्फ द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई रिपोर्ट में भारत में भूख के स्तर को चिंताजनक बताया गया है। रिपोर्ट तैयार करने के लिए डेटा संयुक्त राष्ट्र के अलावा यूनिसेफ, फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन समेत कई एजेंसियों से लिया गया हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में लोग कोविड -19 और महामारी संबंधी प्रतिबंधों से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट में भुखमरी की स्थिति के लिहाज से दुनिया के 121 देशों को खतरनाक, अत्यधिक खतरनाक और गंभीर जैसी तीन श्रेणियों में रखा गया है। इनमें भारत गंभीर की श्रेणी में है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की इस स्थिति के कारण ही दक्षिण एशिया का प्रदर्शन हंगर इंडेक्स में और बिगड़ा है।

I WANT TO SAY...

यह सुखद है कि झारखंड को वंदे भारत ट्रेन की सुविधा मिलने जा रही है। इसकी शुरूआत झारखंड की राजधानी से बिहार की राजधानी के बीच ट्रेन के परिचालन से होगी। जिस हिसाब से कवायद चल रही है उसके अनुसार माना जा रहा है कि एक महीने के अंदर रांची - हटिया से वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू हो जाएगा। रांची के रेल यात्री इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे और न्यूनतम अवधि में पटना पहुंच सकेंगे या पटना से रांची आ सकेंगे। पहली वंदे भारत ट्रेन के बाद दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन रांची से हावड़ा के लिए होने की कवायद चल रही है। नई दिल्ली में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सांसद संजय सेठ की मुलाकात हुई। सांसद ने अधिकारियों को यह प्रस्ताव दिया कि हटिया से पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन अविलंब शुरू किया जाए। सांसद ने प्रस्ताव दिया कि ट्रेन का परिचालन पटना से हटिया के लिए सुबह में और हटिया से पटना के लिए शाम में तय किया जाए। पटना से हटिया प्रस्थान का समय सुबह 6:55 बजे और हटिया से पटना के प्रस्थान (वाया बरकाकाना, हजारीबाग, कोडरमा) का समय शाम के 5 बजे निर्धारित करने का सुझाव दिया है। उन्होंने 2021 में रेल मंत्री को पत्र लिखकर इन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन हटिया से पटना और रांची से कोलकाता करने का आग्रह किया था। इसका सुखद परिणाम सामने आया है। सांसद के अनुसार वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ नरेंद्र मोदी के हाथों होने की संभावना है। इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय को प्रस्ताव भी भेजा जा चुका है। अब यह कहा जा सकता है कि रेल के मामले में झारखंड उपेक्षित नहीं रहेगा। और अच्छी सेवाएं यहां से शुरू होंगी।

आफताब आलम, अधिवक्ता रांची।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

गुजरात टाइटंस को हराकर शीर्ष पर पहुंचने उतरेगी राजस्थान रॉयल्स

जयपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस पर जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में राजस्थान को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर ये उसके लिए आसान मुकाबला नहीं रहेगा। राजस्थान की टीम के अभी 10 अंक हैं पर अगर इस मैच को जीतती है तो वह बेहतर नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जायेगी।

कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी टीम लगातार जीत दर्ज नहीं कर पा रही है। पिछले छह मैचों में टीम ने तीन मुकाबले जीते हैं जबकि इतने ही मुकाबले वह हारी है। टीम का कमजोर पक्ष उसकी गेंदबाजी रही है जिससे उसे बेहतर करना होगा। रॉयल्स की टीम पिछले मैच में मुंबई के खिलाफ 212 रन के बड़े लक्ष्य का भी बचाव नहीं कर पायी थी। इससे भी उसके गेंदबाजों का मनोबल घटा है और वे इस मैच में भी दबाव में रहेंगे। टीम के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट, ऑलराउंडर जेसन होल्डर, स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप सेन पिछले मैच में प्रभावी नहीं रहे और विरोधी टीम के बल्लेबाजों ने आसानी से उनपर शॉट खेले।

रॉयल्स के लिए यही सकारात्मक पक्ष है कि उसे शुरुआती मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत मिली थी।

राजस्थान के पास अच्छे बल्लेबाज हैं जिससे वह बड़ा स्कोर बनाने में सक्षम है। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले युवा यशस्वी जायसवाल से टीम को इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। टीम के पास जोस बटलर बटलर, संजू सैमसन और शिमरोन हेटमेयर जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।

इन्हें हालांकि गुजरात के गेंदबाजों मोहम्मद शमी और राशिद खान, नूर अहमद सहित अन्य गेंदबाजों से सावधान रहना होगा।

वहीं दूसरी ओर गुजरात की टीम के कप्तान पंड्या अपनी टीम को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने में सक्षम हैं। उसे हालांकि अपनी बल्लेबाजी को बेहतर करना होगा। पिछले कम स्कोर वाले मैच में टीम

दिल्ली कैपिटल्स से पांच रनों से हार गयी

थी। अभी टीम 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर है जबकि राजस्थान 10 अंक के साथ चौथे स्थान पर काबिज है।

ऐसे में इस मैच में जीत के लिए टाइटंस के बल्लेबाजों को पिछले कमजोर प्रदर्शन से सबक लेते हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा। टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल और डेविड मिलर इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। पिछले मैच में इनके विफल रहने से टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

कप्तान पंड्या और तेवतिया ने कैपिटल्स के खिलाफ पूरा प्रयास किया था पर मध्यक्रम के खराब प्रदर्शन से टीम को हार का सामना करना पड़ा था। राहुल तेवतिया ने अंतिम ओवर में तीन छक्के लगाये थे पर इसके बाद भी टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पायी।

टीम का मजबूत पक्ष उसकी गेंदबाजी है। हालांकि काफी मजबूत है जहां मोहम्मद शमी शानदार लय में है। स्पिन विभाग में राशिद और अफगानिस्तान के एक अन्य खिलाड़ी नूर अहमद शानदार प्रदर्शन कर रहे है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम जम्पा।

गुजरात टाइटन्स: हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साईं सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नलकंडे , जयंत यादव, आर. साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा।

मैड्रिड ओपन : कड़ी मशक्कत के बाद सेमीफाइनल में अल्काराज

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन की युवा सनसनी और शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कराज कड़ी मशक्कत के बाद रूस के कारेन खचानोव को हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश करने में सफल रहे। इसी हफ्ते अपना 20वां जन्मदिन मनाने वाले अल्काराज ने बुधवार को 10वीं सीड खचानोव को 6-4, 7-5 से मात दी। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी अल्कराज रविवार के फाइनल में जगह बनाने के लिये बोर्ना कोरिक या डेनियल अल्तमाइर में से किसी एक से मुकाबला करेंगे।

अल्काराज ने जीत के बाद कहा, ''मैं इस तरह के शानदार स्तर पर खेलकर मैच को खत्म करने से बहुत खुश हूं। अलग-अलग शॉट लगाने और टेनिस को अलग बनाने की कोशिश करना मेरी शैली है। यही मेरा खेलने का तरीका है।' इसी बीच, महिला एकल में रूस की 12वीं वरीय वेरोनिका कुदेरमेतोवा अमेरिका की तीसरी वरीय जेसिका पेगुला को 6-4, 0-6, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं।

मैरी कॉम ने मणिपुर हिंसा मामले को लेकर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से सहायता मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज महिला मुक्केबाज मैरी कॉम ने मणिपुर में जारी हिंसा को समाप्त करने में सहायता करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से सहायता की अपील की है। राज्य में ये हिंसा मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने की मांग का विरोध करने के लिए छात्रों के एक संगठन द्वारा आयोजित 'आदिवासी एकता मार्च के दौरान भड़क गयी। इस मार्च में हजारों लोग शामिल हुए थे। हिंसा भड़कने के बाद राज्य के कई जिलों में कर्फ्यू लगाने के साथ ही पूरे मणिपुर में अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट भी बंद कर दिया गया है हालांकि ब्रॉडबैंड सेवाएं चलती रहेंगी।

इस हिंसा से दुखी मैरी कॉम ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री मोदी से हस्तक्षेप की मांग की है। मैरी कॉम ने देर रात किये अपने ट्वीट में लिखा, मेरा राज्य मणिपुर जल रहा है। कृपया सहायता कीजिए। मैरी कॉम ने इस ट्वीट में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री कार्यालय, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी टैग करते हुए मणिपुर में आगजनी की तस्वीरें भी साझा की हैं। मणिपुर में सेना और सशस्त्र बलों की सहायता से हिंसा पर नियंत्रण किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि रैली में हजारों आंदोलनकारियों ने हिस्सा लिया और इस दौरान तोरबंग इलाके में आदिवासियों और गैर-आदिवासियों के बीच झड़पें हो गयीं थीं। इस अधिकारी ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा।

न्यूजीलैंड को तीसरे एकदिवसीय में हराकर नंबर एक स्थान के करीब पहुंची पाकिस्तान

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को तीसरे एकदिवसीय में 26 रनों से हराकर लगातार तीसरा एकदिवसीय मुकाबला जीता है। तीसरे एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पाक को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक ने इमाम उल हक के 90 और बाबर आजम के 54 रनों की सहायता से 50 ओवर में 6 विकेट पर 287 रन बनाये। वहीं कीवी टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 261 रन ही बना पायी। पाक की ओर से शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और मोहम्मद वसीम जूनियर ने 2-2 विकेट लिए।

इस जीत के साथ ही पाक ने 5 मैचों की इस सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली है। अब पाक टीम नंबर एक स्थान के करीब पहुंच गयी है। अगर पाक टीम चौथे एकदिवसीय मैच में भी न्यूजीलैंड को हराने में सफल रहती है। तो वह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बराबर 113 रेटिंग पर पहुंचकर आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच जाएगी। पाक को नंबर-1 स्थान पर बने रहना है तो उन्हें न्यूजीलैंड को इस सीरीज में 5-0 से हराना होगा।

वहीं ताजा आईसीसी रैंकिंग की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया और भारतीय टीम अभी 113-113 रेटिंग्स के साथ शीर्ष-2 में बनी हुई है जबकि पाक टीम अभी 112 रेटिंग्स के साथ तीसरे स्थान पर है। अगर पाक टीम चौथा एकदिवसीय जीतती है तो उसके 113 रेटिंग्स हो जाएंगे। वहीं अगर पाक पांचवां एकदिवसीय जीतता है तो वह 115 रेटिंग्स के साथ भारत और ऑस्ट्रेलिया से आगे निकल जाएगा। वहीं न्यूजीलैंड मिली हार से पाक टीम फिर 112 की रेटिंग्स के साथ तीसरे पायदान पर फिसल जाएगी।

धोनी से संन्यास को लेकर सवाल पूछने वाले मॉरिसन पर भड़के सहवाग

लखनऊ । पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से संन्यास को लेकर पूछे सवाल को लेकर क्रिकेट एंकर डैनी मॉरिसन को करारा जवाब दिया है। लखनऊ सुपरकिंग्स के खिलाफ हुए मैच में टॉस से पहले मॉरिसन ने धोनी से यह सवाल पूछा था। इसी को लेकर अब धोनी का एक जवाब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। सहवाग बार-बार धोनी से संन्यास की बात पूछने को लेकर मॉरिसन से भड़क गये और उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बातें नहीं पूछनी चाहिये। सहवाग ने कहा कि कमेंटेटरों और प्रशंसकों को धोनी को इस मामले में अकेला छोड़ देना चाहिए। साथ ही कहा कि इस बारे में बार-बार पूछने की जगह हमें उनके फैसले का इंतजार करना चाहिए। सहवाग ने स्पष्ट रुप से कहा कि यह उनका आईपीएल में अंतिम साल है या नहीं, यह सिर्फ धोनी ही जानते हैं। मॉरिसन ने धोनी से पूछा था कि वह अपने अंतिम आईपीएल का आनंद कैसे ले रहे हैं, तो इस पर धोनी ने कहा कि ये आप कह रहे हैं पर मैंने उन्होंने अभी तक संन्यास को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। इसपर प्रशंसकों ने भी धोनी का समर्थन किया।

निडर होकर बल्लेबाजी करने से बन रहे बड़े स्कोर : रोहित

मोहाली (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस के कप्तान कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल के इस सत्र में बड़े स्कोर बनने के कारणों को बताया है। रोहित के अनुसार इस सत्र में उनकी टीम ने निडर होकर बल्लेबाजी शुरु की थी जिसका लाभ अब उन्हें मिल रहा है। पंजाब के दिये दो सौ रनों से अधिक के लक्ष्य को भी टीम ने तय ओवरों से पहले ही हासिल कर लिया। यह इस सत्र में दूसरी बार है जब मुम्बई ने दो सौ से अधिक रनों के लक्ष्य को भी हासिल किया है। रोहित ने कहा, 'जब हमने टी20 क्रिकेट खेलना शुरू किया तब 140- 150 ही जीत के लिए पर्याप्त होते थे पर अब ऐसा नहीं है। इस आईपीएल में ही औसत स्कोर 180 रन पहुंच गया है।' इसके

अलावा एम्पैक्ट प्लेयर के नियम से भी प्रभाव पड़ा है। इसी कारण अब बड़े स्कोर बन रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सूर्या और इशान किशन ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। इसके अलावा टिम और तिलक ने भी फिनिशर की भूमिका निभाई। हमने सत्र से पहले ही तय किया था कि निडर होकर खेलेंगे और परिणाम के बारे में सोचकर नहीं खेलेंगे। साथ ही कहा कि जब आप ज्यादा सोचते हैं तो अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर पाते।' इस मैच में लखनऊ सुपरजायंटस से मिले 215 रनों के लक्ष्य को मुम्बई ने ईशान किशन 75 और सूर्यकुमार यादव 66 के बीच हुई आक्रामक शतकीय साझेदारी के बल पर आसानी से हासिल कर लिया। यह आईपीएल इतिहास में लक्ष का पीछा करते हुए तीसरी सबसे बड़ी जीत थी। इससे पहले राजस्थान राजस्थान ने साल 2020 में पंजाब के खिलाफ 224 रनों का लक्ष्य हासिल किया था।

उत्तम जूनियर एशिया कप में भारतीय हॉकी टीम की अगुवाई करेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। अग्रिम पंक्ति के युवा खिलाड़ी उत्तम सिंह को 23 मई से एक जून तक ओमान के सलालाह में खेले जाने वाले जूनियर हॉकी एशिया कप के लिए भारतीय टीम का कप्तान बरकरार रखा गया है। उत्तम के नेतृत्व में भारत ने पिछले साल सुल्तान जोहोर कप का खिताब जीता था। जूनियर एशिया कप दिसंबर में मलेशिया में होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा। भारत पूल ए में पाकिस्तान, जापान, थाईलैंड और चीनी ताइपे के साथ है जबकि कोरिया, मलेशिया, ओमान, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान को पूल बी में रखा गया है।

उत्तम ने पिछले साल नवंबर में सुल्तान जोहोर कप में ऑस्ट्रेलिया पर 5-4 से रोमांचक जीत में शूटआउट में दो गोल किये थे। इस मुकाबले में भारत के लिए गोल करने वाले विष्णुकांत सिंह और सुदीप चिरमाको ने भी 18 सदस्यीय टीम में

अपनी जगह बरकरार रखी है। उत्तम ने भुवनेश्वर में भारत के विश्व कप 2021 अभियान में भी भाग लिया। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का अभियान सेमीफाइनल तक चला था। बॉबी सिंह धामी को टीम का उपकप्तान बनाया गया, जबकि मोहित एचएस और हिमवान सिहाग को गोलकीपर के रूप में चुना गया। मिडफील्ड में अनुभवी विष्णुकांत सिंह होगें, जिन्होंने राउरकेला में हाल ही में आयोजित एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। उन्हें राजिंदर सिंह, पूवन्ना सीबी, अमनदीप और सुनीत लाकड़ा का साथ मिलेगा।

बॉबी, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य लालगे, उत्तम, सुदीप चिरमाको और अंगद बीर सिंह टीम की अग्रिम पंक्ति पर मोर्चा संभालेंगे। भारतीय टीम के कोच सीआर कुमार ने कहा, 'हमारे पास काफी अनुभवी टीम है जिसमें कुछ खिलाड़ियों ने हाल में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया है। हमने बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) परिसर में तैयारी की है जहां सीनियर टीम भी मौजूद थी। हमें उनके साथ अभ्यास मैच खेलने का फायदा हुआ है।'

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः मोहित एच एस, हिमवान सिहाग।

रक्षापंक्तिः शारदानंद तिवारी, रोहित, अमनदीप लकड़ा, आमिर अली, योगेम्बर रावत।

मिडफील्डरः विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, पूवन्ना सी बी, अमनदीप, सुनीत लाकड़ा।

अग्रिम पंक्तिः बॉबी सिंह धामी, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य लालगे, उत्तम सिंह (कप्तान), सुदीप चिरमाको और अंगद बीर सिंह।

रियाल मैड्रिड को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचा एटलेटिको

मैड्रिड । एटलेटिको मैड्रिड ने कैडिज को 5-1 से करारी शिकस्त देकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रियाल मैड्रिड की जगह दूसरा स्थान हासिल कर लिया। एंटोनी ग्रीजमैन ने पहले हाफ में दो गोल किए जबकि अल्वारो मोराटा, यानिक कैरास्को और नाहुएल मोलिना ने दूसरे हाफ में एक एक गोल करके एटलेटिको को 14 लीग मैचों में 12वीं जीत दिलाई। अब जबकि लीग में पांच दौर के मैच होने बाकी है तब एटलेटिको की टीम रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे हो गई है। एटलेटिको के अब 33 मैचों में 69 अंक हो गए हैं जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 68 अंक हैं। बार्सिलोना 33 मैचों में 82 अंक लेकर शीर्ष पर काबिज है।

ला लिगा लीग में दूसरे स्थान पर पहुंची एटलेटिको मैड्रिड

मैड्रिड । एटलेटिको मैड्रिड स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। उसे यह स्थान कैडिज को 5-1 से हराने के कारण मिला है। वहीं रियाल मैड्रिड तीसरे नंबर पर खिसक गयी है। एटलेटिको की ओर से एंटोनी ग्रीजमैन ने पहले हाफ में दो गोल दागे जबकि अल्वारो मोराटा, यानिक कैरास्को और नाहुएल मोलिना ने दूसरे हाफ में एक एक गोल करके अपनी टीम को जीत दिलायी। ये 14 वें लीग मैच में एटलेटिको की 12वीं जीत है। अब पांच दौर के मैच शेष हैं पर एटलेटिको की टीम रियाल से एक अंक आगे निकल गई है। एटलेटिको के अब 33 मैचों में 69 अंक जबकि रियाल के इतने ही मैचों में 68 अंक हैं। वहीं बार्सिलोना की टीम 33 मैचों में 82 अंक के साथ ही नंबर एक स्थान पर बनी हुई है।

लखनऊ के एकाना स्टेडियम में पहली बार खेलने के लिए धोनी का सम्मान हुआ

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में पहली बार खेलने पर चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का सम्मान किया गया। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस अवसर पर धोनी को एक विशेष बल्ला प्रदान किया। इसका एक वीडियो भी आईपीएल के आधिकारिक सोशल मीडिया के ज़रिए साझा किया गया है।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान धोनी ने आईपीएल में 243 मैच खेले हैं पर उन्होंने इससे पहले कभी भी लखनऊ में नहीं खेला था। सीएसके और लखनऊ के बीच हुए आईपीएल के इस मैच को देखने बड़ी तादाद में लोग स्टेडियम पहुंचे थे। धोनी ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 9 मैचों में 74 की औसत से 74 रन बनाए हैं। इसमें 8 छक्के भी शामिल हैं। धोनी 41 साल के हो गये हैं। ऐसे में प्रशंसकों का मानना है कि धोनी के लिए यह आईपीएल का अंतिम सत्र को सकता है। इस बल्लेबाज ने लखनऊ के खिलाफ मुकाबले से पहले टॉस के समय संन्यास को लेकर कुछ कहने से इंकार कर दिया। असल में एंकर डैनी मॉरिसन ने उनसे पूछा था कि क्या वह अपने अंतिम सत्र का आनंद उठा रहे हैं तो धोनी ने उन्हें कहा कि यह सिर्फ आप कह रहे हैं कि यह आखिरी है। मैं नहीं। इससे साफ है कि धोनी अभी संन्यास नहीं लेने वाले। धोनी ने पिछले सीजन की शुरूआत में ही कप्तानी छोड़ दी थी पर उनकी जगह कप्तान बने रविन्द्र जडेजा पारी संभाल नहीं पाये थे। इसके बाद बीच सत्र में ही धोनी को एक बार फिर कप्तानी संभालनी पड़ी।

रिंकू आने वाले समय में भारतीय टीम से खेलेंगे

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड हसी ने आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज रिंकू सिंह के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम की ओर से खेलेंगे। रिंकू ने इस सत्र में अब तक अपनी टीम की ओर से तीन अर्धशतक लगाये हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 21 गेंदों में 48 रनों की पारी खेली थी। इस दौरान मैच में आखिरी गेंद पर उनके लगाये पांच छक्कों से टीम को जीत मिली थी। रिंकू ने इस सत्र के 9 मैचों में 54 की औसत से 270 रन बनाये हैं और वह केकेआर की ओर से इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। हसी ने रिंकू के इसी शानदार प्रदर्शन को देखते हुए कहा कि वह जल्द ही भारतीय टीम में जगह बना सकते हैं। हसी ने कहा, रिंकू एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। वह घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आईपीएल में केकेआर के लिए खेलते हुए उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

विनेश और बजरंग ने कहा- हम अपने पदक और पुरस्कार लौटाने के लिए तैयार हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के खराब व्यवहार से आहत प्रदर्शनकारी पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने गुरुवार को अपने पदक और पुरस्कार सरकार को लौटाने की पेशकश करते हुए कहा कि अगर उनका इस तरह से अपमान किया जाता है तो फिर इन पुरस्कारों का कोई मतलब नहीं है। पहलवान 23 अप्रैल से राष्ट्रीय राजधानी में धरने पर बैठे हैं और एक नाबालिग सहित सात पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। बुधवार की रात करीब 11 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ उस समय हाथापाई हो गई, जब वे अपने रात्रि विश्राम के लिए फोल्डिंग चारपाई ला रहे थे और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर इस बारे में पूछताछ शुरू कर दी थी।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग ने गुरुवार की सुबह पत्रकारों से कहा,'' अगर पहलवानों के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाता है तो फिर हम इन पदकों का क्या करेंगे। इसके बजाय हम अपने सभी पदक और पुरस्कार भारत सरकार को लौटाकर सामान्य जिंदगी जिएंगे।' उन्होंने कहा,'' जब पुलिस हमें धक्का दे रही है, हमारे लिए अपशब्द कह रही है, हमारे साथ दुर्व्यवहार कर रही है तब वे यह नहीं देखते कि हम पदम श्री पुरस्कार विजेता है और केवल मैं ही नहीं यहां साक्षी (मलिक) भी है।'

साक्षी मलिक ने रियो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था। बजरंग ने कहा,'' वे हमारे साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। महिलाएं और बेटियां सड़कों पर बैठी हैं, दया की भीख मांग रही हैं लेकिन किसी को कुछ परवाह नहीं है।' दिल्ली पुलिस और पहलवानों के बीच कल रात हुई घटना में दो प्रदर्शनकारी घायल हो गए थे जिसके बाद जंतर मंतर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। खेल रत्न पुरस्कार विजेता विनेश फोगाट ने कहा,''हमसे सभी (पदक) ले लो। हमें बहुत अपमानित किया गया है। हम अपने सम्मान के लिए लड़ रहे हैं लेकिन हमें कुचला जा रहा है। क्या सभी पुरुषों को महिलाओं को अपशब्द कहने का अधिकार है। हम अपने सभी पदक लौटा देंगे, यहां तक कि हम अपनी जान दे देंगे लेकिन कम से कम हमें इंसाफ तो दिला दो।'

दोस्त से जलन में मॉडलिंग शुरू की, पहली फिल्म परिवार से छिपाई

आज एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा का 35वां जन्मदिन है। करियर, पर्सनल लाइफ हो या फैमिली- हर मोर्चे पर अनुष्का ट्रेंड सेटर रही हैं। बिना किसी गॉडफादर के बॉलीवुड में पहचान बनाई। तीनों खान स्टार (शाहरुख, आमिर और सलमान) के साथ फिल्में करने वाली अपने दौर की चंद एक्ट्रेसेज में से एक हैं। करियर के पीक पर उन्होंने क्रिकेटर विराट कोहली से शादी की। बेटी वामिका के लिए उन्होंने फिल्मों से दूरी बनाई और अपना प्रोडक्शन हाउस भी छोड़ दिया। विराट की खराब फॉर्म के लिए अक्सर अनुष्का को ट्रोल किया गया।

15 साल की उम्र में शुरू की मॉडलिंग

अनुष्का का जन्म 1 मई 1988 को अयोध्या उत्तर प्रदेश में हुआ था। पिता अजय कुमार शर्मा आर्मी ऑफिसर और मां अशिमा शर्मा हाउस वाइफ हैं। उनकी पढ़ाई बेंगलुरु में हुई थी। अनुष्का ने एक बार कहा था कि आर्मी ऑफिसर की बेटी होने की वजह से उनकी पर्सनैलिटी को एक पॉजिटिव आकार मिला है। अनुष्का का फिल्मों में आने का कोई इरादा नहीं था। जब वो छोटी थीं, तब उनके घर के बगल में रहने वाली लड़की मॉडलिंग करती थी। एक दिन उसकी फोटो पेपर में छपी, जिसे वो घूम-घूमकर सबको दिखा रही थी। इस बात से अनुष्का को थोड़ी जलन हुई और उन्होंने भी मॉडलिंग करने का मन बना लिया। उनकी मां ने उन्हें सपोर्ट किया।

एक दिन मां उन्हें फैशन डिजाइनर प्रसाद बिदापा के पास ले गईं और उनसे पूछा कि अनुष्का किस उम्र से मॉडलिंग करें। अनुष्का को देखते ही प्रसाद बिदापा ने कहा- इंतजार किस बात का। अभी से शुरू करना चाहिए। प्रसाद बिदापा ने उन्हें अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए बुक कर लिया और इस तरह से उन्होंने मॉडलिंग करना शुरू किया। इसके बाद वो छोटे-मोटे शोज में मॉडलिंग किया करती थीं।

पैशन को फॉलो करती रहीं, लेकिन पढ़ाई से नहीं किया समझौता

अनुष्का पढ़ाई में बहुत अच्छी थीं। वो हमेशा क्लास के टॉप 3 में रहती थीं। पढ़ाई के साथ उन्होंने मॉडलिंग करना शुरू कर दिया था, लेकिन वो इसका असर पढ़ाई पर बिल्कुल नहीं पड़ने देती थीं। वो दोनों में अपना बेहतर देने की कोशिश करती थीं। एग्जाम आने पर वो दो महीने पहले से ही मॉडलिंग बंद कर देती थीं। फिर मॉडलिंग में आगे बढ़ने के लिए ग्रेजुएशन के बाद मुंबई चली गईं।

यूजर के किस कमेंट पर भड़कीं अदा शर्मा

इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट वायरल हो रही है। इस पोस्ट में पुछा गया था कि क्या उन्हें द केरला स्टोरी में एक्ट्रेस अदा शर्मा की परफोर्मेंस पसंद आई। इस पर एक यूजर ने कमेंट किया- केरल की लड़कियां इतनी गोरी नहीं होती। जिसके बाद अदा ने यूजर को रिप्लाई कर जवाब दिया है। उन्होंने लिखा- मैं अदा शर्मा रियल लाइफ में केरल से हूं। मलयाली लड़कियां हैं साईं पल्लवी, नित्या मेनन। हालांकि, इसके बाद एक्ट्रेस ने अपना कमेंट डिलीट कर दिया था। बता दें कि, फिल्म द केरला स्टोरी पर कमर्शियली प्रॉफिट के लिए एक सेंसेटिव मुद्दे को सेंसेशनल बनाने का आरोप लगाया गया है। कई लोगों ने तो फिल्म पर बैन लगाने की मांग भी की है। एक्ट्रेस अदा शर्मा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द केरला स्टोरी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से उनकी एक्टिंग की खूब सराहना हो रही हैं।

नेहा का वीडियो देख चिंता में पड़े फैंस

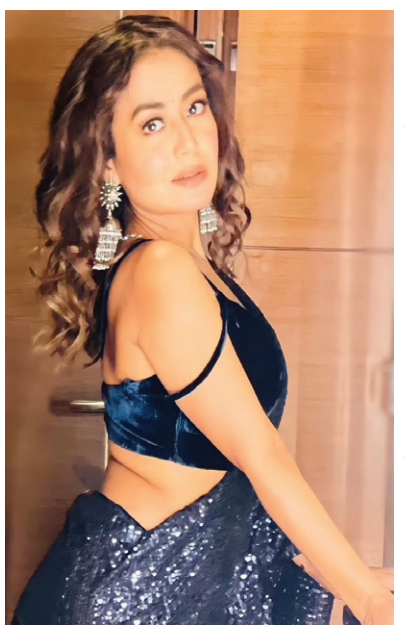

हाल ही में बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ का एक ऐसा वीडियो सामने आया, जिसे देख उनके प्रशंसक चिंता में पड़ गए हैं। इस वीडियो पर लोगों के खूब रिएक्शन सामने आ रहे हैं। शनिवार को कलर्स टीवी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में नेहा कक्कड़ व्हीलचेयर पर बैठी नजर आ रही है। वहीं, उनके पति और सिंगर रोहनप्रीत सिंह पत्नी के आगे से भीड़ हटाते दिख रहे हैं और सबको साइड रहने की सलाह दे रहे हैं। इस दौरान नेहा काफी परेशान और हताश दिख रही हैं और तो और डॉक्टर्स की टीम सिंगर के बीपी की जांच करती दिख रही है। हालांकि, वीडियो को पूरा देखने पर आपको ये मालूम होगा कि नेहा कक्कड़ का ये वीडियो प्रैंक वीडियो है, जो उन्होंने कॉमेडी टीवी शो एंटरटेनमेंट का हाउसफुल के लिए किया है। हालांकि, इस वीडियो को देखने के बाद सिंगर के फैंस काफी परेशान हो गए और कमेंट कर इस पर रिएक्शन भी दे रहे हैं।

आदिवासी लुक में जैकलीन ने मचाया बवाल

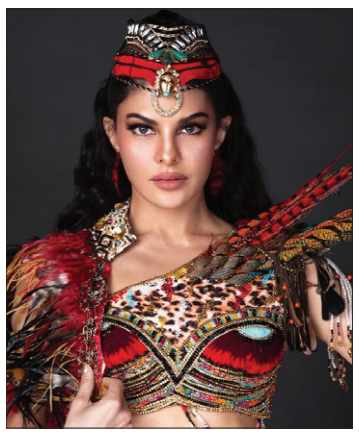

हाल ही में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस ने आदिवासी लुक में फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें शेयर करते ही इंटरनेट पर हलचल मच गई। एक्ट्रेस का ये फोटोशूट उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है और वे कमेंट कर उनके इस लुक पर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। जैकलीन फर्नांडिस ने ये तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इस तस्वीरों में एक्ट्रेस को पहचानना ही मुश्किल हो रहा है। हालांकि, वह इस लुक में कतई बवाल लग रही हैं। फोटोज में देखा जा सकता है कि जैकलीन ने व्हाइट मोतियों वाली शॉर्ट स्कर्ट के साथ मैरून, व्हाइट और रेड कलर का वन शोल्डर ब्लाउज टॉप पहना है। उन्होंने ब्लाउज के साथ एक श्रग भी कैरी किया है। खुले बालों पर उन्होंने मैचिंग कलर की कैप लगा रही है। पैरों में घुंघरू और सेम कलर की सैंडल से उन्होंने लुक को कंप्लीट किया है। हाथ में छड़ी लिए अपने आदिवासी लुक से जैकलीन लोगों का खूब दिल जीत रही हैं और कैमरे के सामने धाकड़ पोज दे रही हैं।

इरीना शायक की तस्वीरों पर आया फैंस का दिल

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस इरीना शायक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नए लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि इरीना शायक ब्लैक मिनी ड्रेस में बेहद हॉट लग रही हैं। ऑफ शोल्डर इस ड्रेस में एक्ट्रेस के क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं। वन पीस ड्रेस के साथ इरीना ने हाई हील सैंडल पेयर किए हैं। कानों में बड़े से झूमके, डार्क आइज मेकअप और फंकी हेयरस्टाइल में एक्ट्रेस का फैशन देखते ही बन रहा है। बता दें, इरीना शायक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ खुद से जुड़े अपडेट शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 21.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। बता दें कि हॉलीवुड एक्ट्रेस इरीना शायक अपने काम के अलावा अपनी फैशन स्टेटमेंट और लुक्स को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। वह अक्सर अपने ग्लैमरस और बोल्ड लुक की तस्वीरें फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

कियारा ने पूरी की सत्यप्रेम की कथा की शूटिंग

भूल भुलैया 2 की जबरदस्त सफलता के बाद कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की जोड़ी एक बार फिर फिल्म सत्यप्रेम की कथा में नजर आने वाली है। वहीं अब कियारा आडवाणी ने इस फिल्म की अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के सेट से एक तस्वीर शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है। तस्वीर में कियारा आडवाणी केक काटते नजर आ रही हैं। साथ ही कार्तिक आर्यन और फिल्म के क्रू मेबर्स भी दिख रहे हैं। इसके साथ कार्तिक आर्यन ने लिखा, कुछ दिन बाकी हैं लेकिन अब बिना कथा की शूटिंग खाली-खाली लगेगी... सत्यप्रेम को कथा की कमी खलेगी। इसके साथ कार्तिक ने कियारा की पोस्ट को भी रिपोस्ट किया है। इसमें लिखा है, यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है, एक ऐसी यात्रा जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी, एक ऐसा अनुभव जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगी। सबसे भावुक कलाकारों और क्रू मेंबर्स के साथ काम करने का सौभाग्य, जिन्होंने हमारी फिल्म में अपना दिल और आत्मा लगाई है। उन्होंने लिखा, मैंने इस यात्रा में नए दोस्त बनाए हैं जिन्हें मैं हमेशा के लिए प्यार और महत्व दूंगी। मेरे निर्देशक सर, आपने जादू पैदा कर दिया है, कार्तिक आर्यन, शरीन मंत्री, करण शर्मा मुझे ट्रिनिटी याद आएगी। गजराव सर, सुप्रिया पाठक मेम, अनुराधा पटेल और हमारी पूरी कास्ट बनाने के लिए धन्यवाद मैं आपके शानदार प्रदर्शन के साथ एक बेहतर कलाकार बनी हूं। और मेरे अपने दस्ते के लिए इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के माध्यम से मेरा ठोस समर्थन करने के लिए धन्यवाद।

कोई नई फिल्म साइन नहीं कर रहे सलमान खान! टाइगर 3 की रिलीज के बाद लेंगे फैसला

बॉलीवुड के दबंग सलमान खान की नई फिल्म किसी का भाई किसी की जान हाल ही में ईद के मौके पर रिलीज हुई है, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही है। 100 करोड़ रुपये के आंकड़े को छूने में फिल्म का दम निकल गया। फेस्टिव रिलीज होने के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रही। इस कारण अब सलमान नई फिल्मों को साइन करने के मूड में नहीं लग रहे हैं। दरअसल, सलमान खान अक्सर ईद के मौके पर अपनी फिल्म रिलीज करते हैं। इस बार भी ईद के मौके पर रिलीज हुई फिल्म उम्मीद के मुकाबले कमाई नहीं कर पाई। खबर आ रही है कि सलमान ने नई फिल्म को साइन करने से मना कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान को छह प्रोजेक्ट्स ऑफर किए गए हैं, लेकिन वह अभी कोई भी नया प्रोजेक्ट साइन करने से परहेज कर रहे हैं। सलमान खान अपनी अगली फिल्म टाइगर 3 का इंतजार कर रहे हैं, जो नवंबर में रिलीज होगी। दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली इस फिल्म की प्रतिक्रिया देखने के बाद ही सलमान अपनी अगली फिल्म को लेकर फैसला करेंगे। फिलहाल, दर्शकों को वह मनीष शर्मा के निर्देशन वाली टाइगर 3 में नजर आएंगे, जिसमें कटरीना कैफ मुख्य भूमिका में अभिनेता के साथ नजर आएंगी। वहीं, शाहरुख खान का फिल्म में कैमियो रोल होगा। बता दें कि अपनी फिल्मों के साथ-साथ सलमान जान से मारने की मिल रही कई धमकियों को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इंटरव्यू के दौरान सलमान ने अपनी सिक्योरिटी को लेकर कहा कि सुरक्षा, असुरक्षा से बेहतर है। अब सड़क पर साइकिल चलाकर अकेले कहीं जाना भी मुमकिन नहीं है। उससे भी बड़ी बात यह है कि अब मुझे यह समस्या होती है कि जब मैं ट्रैफिक में होता हूं तो इतनी सिक्योरिटी होती है कि गाड़ियों के कारण दूसरे लोगों को असुविधा होती है।

डेब्यू करते ही शहनाज गिल के हाथ लगी लॉटरी, जमकर मिल रही बधाई

रियलिटी शो का हिस्सा बनकर देश भर में अपनी अलग पहचान बनाने वाली शहनाज गिल ने फाइनली सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर लिया है। यूं तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर रही है, लेकिन पंजाब की कटरीना कैफ की एक्टिंग को दर्शक काफी सराह रहे हैं। वहीं, डेब्यू के साथ ही शहनाज ने नया घर खरीद लिया है, जिसकी खुशी एक्ट्रेस बकायदा पोस्ट कर साझा करती नजर आई हैं। शहनाज गिल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर कुछ स्क्रीनशॉट्स साझा किए हैं, जिनमें उनके लिए फैंस की ओर से आई बधाइयां हैं। ये बधाई शहनाज के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर नहीं बल्कि उनके नए घर को लेकर है। हालांकि, शहनाज ने अपना नया घर मुंबई के किस इलाके में खरीदा है और इसकी कीमत क्या है इसको लेकर अब तक कोई खुलासा नहीं किया है। शहनाज गिल ने बीते दिन अपने चैट शो देसी वाइब्स में बतौर गेस्ट आए यूट्यूबर भुवन बाम को बताया था कि उन्होंने मुंबई में नया घर खरीदा है, लेकिन उसमें आने के लिए गेस्ट को कुछ नियम फॉलो करने होंगे। इस तरह, सना की सफलता को देखकर उनके फैंस खुशी से झूम उठे हैं और दिल खोलकर शुभकामनाएं दे रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, शहनाज गिल ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में रियलिटी शो बिग बॉस 13 से एंट्री ली थी। इसके बाद उन्हें अपने चैट शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल से खूब सफलता हासिल हुई है। वहीं, एक्ट्रेस ने भाईजान सलमान खान के साथ फिल्म किसी का भाई किसी की जान के जरिए बड़े पर्दे पर पांव जमाने की पूरी कोशिश की है। इसके अलावा शहनाज म्यूजिक एल्बम में भी खासा एक्टिव देखी जाती हैं।